रजिस्ट्री सं० डी० (डी)-73

REGISTERED No. D.(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 30, 1978/ पौष 9, 1900

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 30, 1978/PAUSA 9, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Terriories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1978

का०आ० 3679.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1977 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 84 इडुकी सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० विलाक्कूनाम, विलाक्कूनैल, वालाक्काड़ावयू, नारियामपारा डाकघर (वाया) काटाप्पना, जिला इडुकी (केरल राज्य) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एस० विलाक्कूनान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/84/77]

आदेश से,

टी० नागरत्नम, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 20th November, 1978

S.O. 3679.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Vilakkaunnan, Vilakkunnel, Vallakkadavu Nariampara P.O. (via) Katjappana District Idukki (Kerala State), a contesting candidate for the general election to the Kerala Legislative Assembly from 84-Idukki assembly constituency held in March, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

S. Vilakkunnan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/84/77]

By Order,

T. NAGARATHNAM, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3680.—निर्वाचन आयोग को यह समाधान हो चुका है कि जून, 1977 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए पंजाब के 31—जालन्धर सेन्ट्रल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामनाथ, अपनी लाइब्रेरी, नाकोदर रोड़, जालन्धर (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामनाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० पंजाब-वि० स०/31/77]

आदेश से,

बी० नागसुब्रामण्यन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 2nd December, 1978

S.O. 3680.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Nath, Apni Library, Nakodar Road, Jullundur (Punjab) who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 31-Jullundur Central held in June 1977 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Nath to be disqualified for being chosen as, and for being, member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/31/77]

By Order,

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1978

का. आ. 3681.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से अवकाश पर गये श्री आर. सम्पतकुमारन के स्थान पर श्री के. आर चमैया, ड्राफ्ट्समैन तथा सरकार के पदेन अतिरिक्त सचिव, विधि तथा संसदीय कार्य विभाग को 14 दिसम्बर, 1978 से मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है" ।

[सं. 154/कर्नाटक/78]

टि. नागरत्नम, सचिव

New Delhi, the 12th December, 1978

S.O. 3681.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India in consultation with the Government of Karnataka, hereby nominates Shri K. R. Chamaiah, Draftsman and Ex-Officio Additional Secretary to the Government, Department of Law and Parliamentary Affairs, as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from 14 December, 1978 vice Shri R. Sampath Kumaran, granted leave.

[No. 154/Karnataka/78]

T. NAGARATHNAM, Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1978

स्टाम्प

का०आ० 3682.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की विमांक 30 अक्तूबर, 1978 की अधिसूचना सं० 25/78-स्टाम्प (का०आ० सं० 3155) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के नीचे दी गयी सारणी में क्र० सं० 12, 13, 14, 15 तथा 16 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)
"12	मलयेशियन डालर . . .	25.90
13	नार्वेजियन क्रोनर . . .	59.30
14	पाउंड स्टर्लिंग	6.1630
15	स्वीडिश क्रोनर	51.50
16	स्विस फ्रैंक	20.50"

[सं० 27/78-स्टाम्प फा० सं० 33/3/78-बि० क०]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 12th December 1978

STAMPS

S. O. No. 3682.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance Department of Revenue No. 25/78-Stamps (S. O. No. 3155) dated the 30th October 1978 namely :—

In the Table below the said notification, for Serial Nos. 12, 13, 14, 15, and 16 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3
"12	Malaysian Dollars	25.90
13	Norwegian Kroners	59.30
14	Pound Sterling	6.1630
15	Swedish Kroners	51.50
16	Swiss Francs	20.50"

[No. 27/78-Stamps:F. No. 33/3/78-ST]

आदेश

स्टाम्प

का०आ० 3683.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा उस शुल्क से छूट देती है, जो नवम्बर, 1977 में जारी किये गये तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के ऋण, 1987 (द्वितीय शृंखला) की तुलना में तमिलनाडु विद्युत बोर्ड द्वारा जारी किये जाने वाले 8 करोड़ 80 लाख रुपये मूल्य के वचन-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है ।

[सं० 28/78–स्टाम्प फा० सं० 33/41/78–वि० क० (i)]

ORDER

STAMPS

S.O. 3683.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the promissory notes to the value of eight crores and eighty lakhs of rupees, to be issued by the Tamil Nadu Electricity Board, against Tamil Nadu Electricity Board Loan, 1987 (second series) floated in November, 1977, are chargeable under the said Act.

[No. 28/78-Stamps-F. No. 33/41/78-ST(i)]

आदेश

स्टाम्प

का०आ० 3684.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से छूट देती है, जो अगस्त, 1978 में जारी किये गये तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के ऋण, 1988 की तुलना में तमिलनाडु विद्युत बोर्ड द्वारा जारी किये जाने वाले ग्यारह करोड़ रुपये मूल्य के वचन-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है ।

[सं० 29/78–स्टाम्प फा० सं० 33/41/78–वि० क० (ii)]

एम० आर० वैद्य, अवर सचिव

ORDER

STAMPS

S.O. 3684.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the promissory notes to the value of eleven crores of rupees, to be issued by the Tamil Nadu Electricity Board, against Tamil Nadu Electricity Board Loan, 1988 floated in August, 1978, are chargeable under the said Act.

[No. 29/78-Stamps-F. No. 33/41/78-ST(ii)]

M. R. VAIDYA, Under Secy.

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय, कोचीन

(केरल)

कोचीन 6 नवम्बर, 1978

(सीमा शुल्क)

का० आ० 3685.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 152 के खण्ड (क) के अन्तर्गत जारी दिनांक 18 जुलाई, 1975 की वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० 79, सीमा शुल्क फा०सं० 473/2/75 सीमा शुल्क-VII, के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52), की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं इस अधिसूचना द्वारा केरल राज्य के एर्नाकुलम जिले में स्थित "मुलायफुरुरटी" को भांडागार स्टेशन घोषित करता हूं ।

[अधिसूचना सं० 2/सी०शु० /78]

टी० एस० स्वामीनाथन,

समाहर्ता सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

कोचीन–11

Office of the Collector of Customs and Central Excise, Cochin

(Kerala)

Cochin, 6th November, 1978

(Customs)

S.O. 3685.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with Ministry of Finance Notification No. 79 Customs F. No. 473/2/75-CUS VII dated the 18th July, 1975, issued under clause (A) of section 152 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) I hereby declare "Mulamthururuty" in Ernakulam District in Kerala as a "Warehousing Station".

[Notification No. 2/Cus/78]

T. S. SWAMINATHAN, Collector of Customs and Central Excise, Cochin-11

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1978

(आयकर)

का०आ० 3686.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "अरुलमीघू रंगनाथस्वामी मन्दिर, मद्रास" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए तमिलनाडु राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है ।

[सं० 2446 (फा० सं० 176/9/78-आ० क० ए-I)]

New Delhi, the 31st July, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3686.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmighu Renganathaswamy Temple, Madras" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu for the purposes of the said section.

[No. 2446 (F. No. 176/9/78-IT. AI]

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आयकर

का० आ० 3687.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न एवं समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (फा० सं० 187/2/74 आ० क० ए 1) तारीख 2 जुलाई, 1974 में निम्नलिखित संशोधन करता है :—

क्रम सं० 4-क के स्तम्भ 3 के नीचे मद 5 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी—

5. बोकारो सर्किल और विदेश अनुभाग, बोकारो इस्पात नगर

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2447 (फा० सं० 187/21/77 आ० क० ए 1)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

New Delhi, the 31st July, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3687.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-II.AI) dated 20th July, 1974, as amended from time to time :—

Existing entries against item 5 under Column 3 of S. No. 4A shall be substituted by the following entries.

5. Bokaro Circle-cum-Foreign Section, Bokaro Steel City.

This notification shall take effect from 1st August, 1978.

[No. 2447 (F. No. 187/21/77-II.AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 1978

आयकर

का०आ० 3688.—आदेश सं० 106/74/(328/227/74–धनकर), दिनांक 20-11-1974 के आंशिक संशोधन में और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के कारण, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा इस आदेश के साथ उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक सहायक आयकर आयुक्त को, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तद्नुरूपी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम के अध्याय XX-क के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है :—

2. यह आदेश 1 नवम्बर, 1978 से लागू होगा ।

सारणी

1	2	3
1.	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अभिग्रहण रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली	महरौली के क्षेत्रीय कानूगो परिमण्डल के भीतर पड़ने वाला समस्त क्षेत्र, साम्राज्यिक नगर अर्थात् नई दिल्ली के भीतर पड़ने वाला क्षेत्र और उक्त क्षेत्र में पड़ने वाली नजूल की सभी भू-सम्पत्तियां, जिनमें वे क्षेत्र नहीं हैं जो निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अभिग्रहण रेंज-III, दिल्ली दिल्ली/नई दिल्ली को सौंपे गये हों ।
2.	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अभिग्रहण रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली	पुरानी दिल्ली के नगर, पहाड़गंज-ओरिजनल (देशबन्धु गुप्ता) रोड़ नई दिल्ली के उत्तर में, अजमेरी गेट ऐक्सटेंशन क्षेत्र सहित दिल्ली के कानूगो परिमण्डल के भीतर पड़ने वाला सारा क्षेत्र जिसमें यमुना नदी के पूर्व की तरफ पड़ने वाला क्षेत्र तथा बुराड़ी, बादली तथा शकूरपुर का पटवारी परिमण्डल शामिल नहीं है और उसमें पड़ने वाली सभी नजूल भू-सम्पत्तियां ।
3.	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अभिग्रहण रेंज-III, दिल्ली/नई दिल्ली	पालम (जिसमें दिल्ली छावनी क्षेत्र भी शामिल है), नरेला तथा नजफगढ़ के कानूगो परिमण्डलों के भीतर आने वाला समस्त क्षेत्र, और बुराड़ी, बादली तथा शकूरपुर का पटवारी परिमण्डल और दिल्ली का कानूगो परिमण्डल का क्षेत्र और उक्त क्षेत्र में आने वाली नजूल की सभी भू-सम्पत्तियां । पहाड़गंज में शामिल क्षेत्र—साउथ ओरिजनल (देशबन्धु गुप्ता) रोड, वेस्टर्न ऐक्सटेंशन एरिया, देवनगर, सतनगर, रैगरपुरा, बापानगर, बीडनपुरा, सन्तनगर, कृष्णानगर, करौल बाग, अजमलखां रोड, गुरुद्वारा रोड, आर्यसमाज रोड फैज रोड, झण्डेवालान, एस० वासवानी मार्ग (पुरानी पूसा रोड), राजेन्द्र नगर, सर गंगाराम मार्ग, नया राजेन्द्र नगर, राजेन्द्रनगर पार्क, नौरोजी नगर, सफदरजंग ऐनक्लेव, कृष्णानगर, हुमायूंपुर, शान्ति नगर, हौज खास, दक्षिणी अर्जुन नगर, यूसुफ सराय, ग्रीन पार्क, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, सफदर-जंग अस्पताल, इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, अरविन्द मार्ग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, साउथ ऐक्सटेंशन भाग-II, एण्ड्रूज गंज, मस्जिद मोठ, गौतम नगर, सादल नगर, मुनीदपुर, गुलमोहर पार्क, हौज खास ऐनक्लेव, पंचशील मार्ग, कालू सराय, साउथ पंचशील कालौनी, अरविन्द आश्रम, अदली चिनिम बेगमपुर मस्जिद, सर्वोदय ऐनक्लेव, स्वामी नगर, खिरकी, नई जीवन कालोनी, हौज रानी. सावित्री नगर, चिराग दिल्ली, मालवीय नगर, किला राय पिथौरा, लाडो सराय और मेहरौली, छत्रपुर एवं कट्टोरनी के क्षेत्र । यमुना नदी की तरफ स्थित बस्ती के कानूगो परिमण्डल दिल्ली में आने वाले क्षेत्र ।

[सं० 2563/78–फा० सं० 316/134/78–धन-कर]

एच० एन० मण्डल, अवर सचिव

New Delhi, the 30th October, 1978

INCOME TAX

S.O. 3688.—In partial modification of order No. 106/74 (328/227/74-WT) dated 20.11.74 and by virtue of the powers conferred by sub-section (1) of Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorise every Assistant Commissioner of Income-Tax specified in column (2) of the Table appended to this order to perform the functions of a competent authority under chapter XXA of the said Act, within the local limits specified in the corresponding entry in coloumn (3) of the said table :—

2. This order shall come into force on 1-11-1978.

TABLE

1	2	3
1.	Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.	Entire area falling within the field Kanugo Circle of Mehrauli, area falling within the Imperial City i.e. New Delhi and all Nazul Estates falling in the said area except the areas assigned to the Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.
2.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/ New Delhi.	Entire area falling within Kanugo Circle of Delhi (excluding the area falling on the Eastern side of river Jamuna and the patwari circle of Burari, Badli & Shakur pur) including the city of old Delhi, Paharganj-North of Original (Desh Bandhu Gupta) Road, Delhi, Ajameri Gate Extension area and all the Nazul Estates falling therein.
3.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/ New Delhi.	Entire area falling within the Kanugo Cirlcle of Palam (including Delhi Cantt. area) Narela & Najafgarh and Patwari circles of Burari, Badli and Shakurpur of field Kanugo circle of Delhi and all the Nazul Estates falling in the said area. Areas comprised in Paharganj—South Original (Desh Bandhu Gupta) Road, Western Exten., area, Dev Nagar, Sat Nagar, Reghar-pura, Bapa Nagar, Beadonpura, Sant Nagar, Krishana Nagar, Karol Bagh, Ajmal Khan Road, Gurudwara Road, Arya Samaj Road, Faiz Road, Jhandewalan, S. Vaswani Marg (Old Pusha Road) Rajinder Nagar, Sir Ganga Ram Marg, New Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Park, areas comprised in Nauroji Nagar, Safdarjunj Enclave, Krishna Nagar, Hamuyan Pur, Shanti Nagar, Hauz Khas Chhini Arjun Nagar, Yusuf Sarai, Green park, Green Park Extn., Safdarjung Hospital, Indian Institute of Techonology, Aurbindo Marg, All India Institute of Medical Sciences New Delhi South Extn., Part-II, Andrews Ganj, Masjid Moth, Gautam Nagar, Sanwal Nagar, Mujid Pur, Gulmohar Park, Hauz Khas Enclave, Panch Sheel Marg, Kalu Sarai, South Panch Sheel Colony, Aurbindo Ashram Adli Chinim Begumpur Mosque, Sarvodaya Enclave, Swami Nagar Khirki, New Jiwan Colony, Hauz Rani, Savitri Nagar, Chirag Delhi, Malvia Nagar, Quila Rai Pithora, Lado Sarai, and villages of Mahrauli, Chatterpur and Cattorni Areas falling in Kanugo Circle Delhi lying on the Eastern side of River Jamuna.

[No. 2563/78-F. No. 316/134/78-WT]

H. N. MANDAL, Under, Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3689.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि इसकी दिनांक 12 जून, 1975 की अधिसूचना संख्या 7(9) बी०ओ० III/74 को निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जायेगा, अर्थात् "उक्त अधिसूचना की सारणी के कालम 1 में यहां दिये गये कालम 1 में दी गई प्रविष्टियों की जगह, यहां दिये गये कालम 2 में दिखाई गई प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी; अर्थात् :—

क्रम संख्या	वर्तमान प्रविष्टि	प्रतिस्थापित की जाने वाली प्रविष्टि
	(1)	(2)
1.	सहायक नियंत्रक, भारतीय रिजर्व बैंक, विनिमय नियंत्रण विभाग, एर्नाकुलम, कोचीन ।	उप नियंत्रक, भारतीय रिजर्व बैंक, विनिमय नियंत्रण विभाग, एर्नाकुलम, कोचीन ।
2.	सहायक मुख्य अधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग, जम्मू ।	उप मुख्य अधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग, जम्मू ।

[संख्या 7(53)-बी०ओ० III/78]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 12th December, 1978

S.O. 3689.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby directs that its Notification No. 7(9).-B.O. III/74 dated the 12th June, 1975 shall be amended as follows, namely :—

"In column 1 of the Table to the said Notification, for the entries set out in column 1 hereof, the corresponding entries indicated in column 2 hereof, shall be substituted, namely :—

Sr. No.	Existing Entry	Entry to be substituted
1	2	3
1.	The Assistant Controller, Reserve Bank of India, Exchange Control Department, Ernakulam, Cochin.	The Deputy Controller, Reserve Bank of India, Exchange Control Department, Ernakulam, Cochin.
2.	The Assistant Chief Officer, Reserve Bank of India, Department of Banking, Operations & Development, Jammu.	The Deputy Chief Officer, Reserve Bank of India, Department of Banking Operations & Development, Jammu.

[No. 7(53)-B. O. III/78]

का०आ० 3690.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, बम्बई पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इसका सम्बन्ध मैसर्स कनोड़िया मेकाक सैंडरसन लिमिटेड, बम्बई के शेयरों को, बन्धक रूप में, धारिता से है ।

[संख्या 15(26)-बी० ओ० III/78]

मे० भा० उसगांवकर, अवर सचिव

S.O. 3690.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the sail Act shall not apply for a period of one year from the date of this notification, to the Central Bank of India, Bombay in so far as they relate its holdings of the shares in M/s. Kanoria Haycock Sanderson Ltd., Bombay as pledgee.

[No. 15(26)-B.O. III/78]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

का०आ० 3691.—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 7 के साथ पठित धारा 21 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(i) इन नियमों का नाम सिक्का—निर्माण ('बच्चे की मुस्कान-राष्ट्र की शान' के लिए ढाले गए पचास रुपए और दस रुपए तथा दस पैसे और पांच पैसे के सिक्कों का वजन और उपचार) नियम 1978 है।

(ii) ये 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त होंगे ।

2. 'बच्चे की मुस्कान—राष्ट्र की शान' के लिए ढाले गए सिक्कों के लिए अनुज्ञातमानक वजन और उपचार :—सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन ढाले गए निम्नलिखित सिक्कों का मानक वजन, और उनके बनाने में अनुज्ञात उपचार वह होगा जो नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट है :—

सारणी

मूल्य वर्ग (1)	वजन (2)	उपचार	
		मिश्रण में (3)	वजन में (4)
50 रुपए	35 ग्राम	चांदी के लिए—2000 वां अंश धन या ऋण, अर्थात, प्रति एक हजार में चांदी की मात्रा 498 से 502 तक हो सकती है ।	1/100वां अंश धन या ऋण, अर्थात, भार 34.650 ग्राम से 35.350 ग्राम तक हो सकता है।
10 रुपए	25 ग्राम	तांबा और निकल दोनों के लिए 1/100 वां अंश धन या ऋण, अर्थात तांबा 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत तक और निकल 24 प्रतिशत से से 26 प्रतिशत तक हो सकता है ।	1/40वां अंश, अर्थात भार 24.375 ग्राम से 25.625 ग्राम तक हो सकता है ।
10 पैसे	2.30 ग्राम	मैगनीशियम 3.5 से 4 प्रतिशत तक, शेष भाग एल्यूमीनियम ।	1/40 वां अंश धन या ऋण।
5. पैसे	1.50 ग्राम	मैगनीशियम 3.5 से 4 प्रतिशत तक शेष भाग एल्यूमीनियम ।	1/40 वां अंश धन या ऋण।

[सं० फा० 1/47/77-सिक्का]

New Delhi, 12th December, 1978

S.O.3691.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 read with section 7 of the Coinage Act (3 of 1906) the Central Government hereby makes the following rules namely :—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Coinage (Weight and Remedy of the Coins of Rupees Fifty and Ten and paise Ten and Five coined for 'Happy Child—Nation's Pride') Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the 1st day of January, 1979.

2. Standard weight and remedy allowed on coins coined for 'Happy Child—Nation's Pride' :—The standard weight of the following coins coined under the provisions of section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), and the remedy allowed in the making of such coins shall be as specified in the Table below:—

TABLE

Denomination	Weight	Remedy allowed	
		In composition	In weight
1	2	3	4
50 Rupees	35 grammes	Two thousandth plus or minus for silver i.e. the silver contents could vary from 498 to 502 per thousand.	1/100th plus or minus i.e. the weight could vary from 34.650 grammes to 35.35 grammes.
10 Rupees	25 grammes	1/100th plus or minus both for copper and nickel i.e. copper could vary from 74% to 76% and Nickel from 24% to 26%.	1/40th plus or minus i.e. the weight could vary from 24.375 grammes to 25.625 grammes.
10 Paise	2.30 grammes	Magnesium 3.5 to 4% Aluminium remainder.	1/40th plus or minus.
5 Paise	1.50 grammes	Magnesium 3.5 to 4% Aluminium remainder.	1/40th plus or minus.

[No. F. 1/47/77-Coln]

का०आ० 3692.—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह अवधारित करती है कि निम्नलिखित मूल्य-वर्ग के सिक्के भी केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन बिक्री के लिए टकसाल में ढाले जाएंगे और ये सिक्के नीचे दी गई विशाओं, डिजाइन और मिश्रण के अनुरूप होंगे, अर्थात :—

मूल्य-वर्ग	आकार और व्यास	किनारे पर के दांतों की संख्या	धातु मिश्रण
(1)	(2)	(3)	(4)
पचास रुपए	वर्तुलाकार 44 मिलिमीटर	200	चतुर्धातु मिश्रित 50 प्रतिशत चांदी 40 प्रतिशत तांबा 5 प्रतिशत निकल 5 प्रतिशत जिंक (जस्ता)।
दस रुपए	वर्तुलाकार 39 मिलिमीटर	180	तांबा-निकल 75 प्रतिशत तांबा 25 प्रतिशत निकल।
दस पैसे	अर्द्धवृत्ताकार कटावदार किनारे वाले (12 अर्द्धवृत्ताकार कटाव) प्रत्येक अर्द्धवृत्ताकार कटाव की दूरी 26 मिलिमीटर।	—	एल्यूमीनियम-मैंगनीशियम 3.5 से 4 प्रतिशत तक मैंगनीशियम और शेष भाग एल्यूमीनियम।
पांच पैसे	गोल किनारों के साथ। चौकोर किनारों के बीच 22 मिलिमीटर और सपाटों के बीच 19 मिलिमीटर।	—	एल्यूमीनियम-मैंगनेशियम 3.5 से 4 प्रतिशत तक मैंगनीशियम और शेष भाग एल्यूमीनियम।

डिजाइन :

50 रुपये

मुख भाग : सिक्के के मुख भाग पर अशोक स्तम्भ का सिंह शीर्ष और उसके नीचे 'सत्यमेव जयते' का सार-वचन अंकित होगा और ऊपर की बायीं परिधि पर "भारत" और ऊपर की दायीं परिधि पर "INDIA" शब्द अंकित होगा। इस पर अंतर्राष्ट्रीय बैंकों में सिक्के का मूल्यवर्ग "50" भी अंकित होगा। जिसकी एक ओर बायीं निचली परिधि पर "रुपए" शब्द और दूसरी ओर दायीं निचली परिधि पर "RUPEES" शब्द अंकित होगा।

पृष्ठ भाग : सिक्के के इस भाग पर "बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष" का प्रतीक होगा। यह प्रतीक एक वृत्त तथा उस पर एक स्लेट के रूप में है। स्लेट के मध्य के ऊपरी भाग में एक सूर्य और उसके ठीक नीचे बायीं और एक लड़के का और दायीं ओर एक लड़की का प्रतीक है। सूर्य स्वास्थ्य और शक्ति का प्रतीक है और स्लेट बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व का द्योतक है। यह प्रतीक औक वृक्ष के पत्तों से घिरा होगा और पत्तों के ठीक नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में "1979" वर्ष होगा। परिधि के साथ-साथ ऊपर के आधे भाग में "बच्चे की मुस्कान—राष्ट्र की शान" नारा अंकित होगा और नीचे के आधे भाग में "HAPPY CHILD—NATION'S PRIDE" अंकित होगा।

10 रुपए

मुख भाग : सिक्के के मुख भाग पर अशोक स्तम्भ का सिंह शीर्ष और उसके नीचे 'सत्यमेव जयते' का सार-वचन अंकित होगा और ऊपर की बायीं परिधि पर "भारत" और दायीं परिधि पर "INDIA" शब्द अंकित होगा। इस पर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में सिक्के का मूल्य-वर्ग 10 अंकित होगा जिसके एक ओर बायीं ओर निचली परिधि पर "रुपए" शब्द और दूसरी ओर दायीं निचली परिधि पर "RUPEES" शब्द अंकित होगा।

पृष्ठ भाग : सिक्के के इस भाग पर "बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष" का प्रतीक होगा। यह प्रतीक एक वृत्त तथा उस पर एक स्लेट के रूप में है। स्लेट के मध्य के ऊपरी भाग में एक सूर्य और उसके ठीक नीचे, बायीं ओर एक लड़के का और दायीं ओर एक लड़की का प्रतीक है। सूर्य स्वास्थ्य और शक्ति का प्रतीक है और स्लेट बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व का द्योतक है। यह प्रतीक ओक वृक्ष के पत्तों से घिरा होगा और पत्तों के ठीक नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में '1979' वर्ष होगा। परिधि के साथ-साथ ऊपर के आधे भाग में 'बच्चे की मुस्कान—राष्ट्र की शान" नारा अंकित होगा और नीचे के आधे भाग में "HAPPY CHILD—NATION'S PRIDE" अंकित होगा।

10 पैसे :

मुख भाग सिक्के के मुख भाग पर अशोक स्तम्भ का सिंह शीर्ष अंकित होगा और ऊपर की बायीं परिधि पर "भारत" शब्द और ऊपर की दायीं परिधि पर "INDIA" शब्द अंकित होगा। इस पर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में सिक्के का मूल्य-वर्ग "10" भी अंकित होगा जिसकी एक ओर बायीं निचली परिधि पर "पैसे" शब्द और दूसरी ओर बायीं निचली परिधि पर 'PAISE' शब्द अंकित होगा।

पृष्ठ भाग : सिक्के के इस भाग पर "बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष" का प्रतीक होगा। यह प्रतीक एक वृत्त तथा उस पर एक स्लेट के रूप में है। स्लेट के मध्य के ऊपरी भाग में एक सूर्य और उसके ठीक नीचे, बायीं ओर एक लड़के का और दायीं ओर एक लड़की का प्रतीक है। सूर्य स्वास्थ्य और शक्ति का प्रतीक है और स्लेट बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व का द्योतक है। यह प्रतीक ओक वृक्ष के पत्तों से घिरा होगा और पत्तों के ठीक नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में "1979" वर्ष होगा। परिधि के साथ-साथ ऊपर के आधे भाग में "बच्चे की मुस्कान—राष्ट्र की शान" नारा अंकित होगा और नीचे के आधे भाग में "HAPPY CHILD—NATION'S PRIDE" अंकित होगा।

5 पैसे :

मुख भाग : सिक्के के मुख भाग पर अशोक स्तम्भ का सिंह शीर्ष अंकित होगा और ऊपर की बायीं परिधि पर "भारत" और उपर की बायीं परिधि पर "INDIA" शब्द अंकित होगा। इस पर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में सिक्के का मूल्य-वर्ग "5" अंकित होगा जिसके एक ओर बायीं निचली परिधि पर "पैसे" शब्द और दूसरी ओर दायीं निचली परिधि पर "PAISE" शब्द अंकित होगा।

पृष्ठ भाग : सिक्के के इस भाग पर "बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष" का प्रतीक होगा। यह प्रतीक एक वृत्त तथा उस पर एक स्लेट के रूप में है। स्लेट के मध्य के ऊपरी भाग में एक सूर्य और उसके ठीक नीचे, बायीं ओर एक लड़के का और बायीं ओर एक लड़की का प्रतीक है। सूर्य स्वास्थ्य और शक्ति का प्रतीक है और स्लेट बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व का द्योतक है। यह प्रतीक ओक वृक्ष के पत्तों से घिरा होगा और पत्तों के ठीक नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में "1979" वर्ष होगा। परिधि के साथ-साथ ऊपर के आधे भाग में "बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान" नारा अंकित होगा और नीचे के अधिभाग में "HAPPY CHILD—NATION'S PRIDE" अंकित होगा।

[सं० फा० 1/47/77-सिक्का]

एस० एल० वत्स, अवर सचिव

S.O. 3692.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby determines that the coins of the following denominations shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government and that such coins shall conform to the following dimensions, designs and composition namely :—

Denomination	Shape and diameter	Number of serrations	Metal composition	
Fifty Rupees	Circular 44 mm	200	Quaternary-alloy	
			Silver	50%
			Copper	40%
			Nickel	5%
			Zinc	5%
Ten Rupees	Circular 39 mm	180	Cupro-Nickel	
			Copper	75%
			Nickel	25%
Ten Paise	Scalloped (12 scallops) 26mm across scallops.		Aluminium Magnesium	
			Magnesium	3.5 to 4%
			Aluminium remainder	

1	2	3	4
Five Paise	Square with rounded corners. 22mm across corners 19mm across flats.		Aluminium Magnesium Magnesium 3.5 to 4% Aluminium remainder.

Designs :

50 Rupees

Obverse : This face of the coins shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar, with the legend "सत्यमेव जयते" inscribed below, flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". I shall also bear the denominational value "50" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "रुपये" and on the right lower periphery with the word "Rupees".

Reverse : This face of the coin, shall have a symbol of the 'International Year of the Child'. The symbol depict a circle with a slate on it. At the mid top of the slate a Sun and just below it, the symbols of a boy on the left and a girl on the right. The Sun signifies health and strength and the slate stands for the importance of education for the future of children. The symbol is encompassed with olive leaves and just below the leaves is the year "1979" in international numerals. Around the periphery—the upper half is with the inscription of the slogan "बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान" and the lower half is with "Happy Child—Nation's Pride".

10 Rupees

Obverse : This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar with the legend "सत्यमेव जयते" inscribed below, flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "10" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "रुपये" and on the right lower periphery with the word "Rupees".

Reverse : This face of the coin, shall have a symbol of the "International Year of the Child". The symbol depicts a circle with a slate on it. At the mid top of the slate a Sun and, just below it, the symbols of a boy on the left and a girl on the right. The Sun signifies health and strength and the slate stands for the importance of education for the future of children. The symbol is encompassed with olive leaves and just below the leaves is the year "1979" in international numerals. Around the periphey—the upper half is with the inscription of the slogan "बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान" and the lower half is with "Happy Child—Nation's Pride".

10 Paise

Obverse : This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "10" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "पैसे" and on the right lower periphery with the word "PAISE".

Reverse : This face of the coin, shall have a symbol of the "International Year of the Child". The symbol depicts a circle with a slate on it. At the mid top of the slate a Sun and, just below it, the symbols of a boy on the left and a girl on the right. The Sun signifies health and strength and the slate stands for the importance of education for the future of children. The symbol is encompassed with olive leaves and just below the leaves is the year "1979" in international numerals. Around the periphery—the upper half is with the inscription of the slogan "बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान" and the lower half is with "Happy Child—Nation's Pride".

5 Paise

Obverse : This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value of "5" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "पैसे" and on the right lower periphery with the word "PAISE".

Reverse : This face of the coin, shall have a symbol of the "International Year of the Child". The symbol depicts a circle with a slate on it. At the mid top of the slate a Sun and just below it the symbols of a boy on the left and a girl on the right. The Sun signifies health and strength and the slate stands for the importance of education for the future of children. The symbol is encompassed with olive leaves and just below the leaves is the year "1979" in international numerals. Around the periphery—the upper half is with the inscription of the slogan "बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान" and the lower half is with "Happy Child—Nation's Pride".

[No. F. 1/47/77-Coin]

S. L. DUTT, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3693.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत कर्मचारियों की बाबत नियंत्रक और महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) सातवां संशोधन नियम, 1978 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में पांचवीं अनुसूची में, पैरा 2 में "निदेशक, लेखापरीक्षा और लेखा, डाक और तार" और "उप-निदेशक, लेखा परीक्षा और लेखा, डाक और तार, बंगलौर, भोपाल, कटक, जयपुर, लखनऊ, पटना और त्रिवेन्द्रम" प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"ज्येष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक, डाक और तार"

तथा

"उप मुख्य लेखा परीक्षक, डाक और तार"

[सं० 13(8)/77-ई-5(बी)]

एम० आर० अग्रवाल, अवर सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 13th December, 1978

S.O. 3693.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General of India in respect of the persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Seventh Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960, in the Fifth Schedule, in paragraph 2, for the entries "Directors of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs" and "Deputy Directors of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Bangalore, Bhopal, Cuttak, Jaipur, Lucknow, Patna and Trivandrum", the following entries shall respectively be substituted, namely :—

"Senior Deputy Chief Auditors, Posts and Telegraphs"

and

"Deputy Chief Auditors, Posts and Telegraphs".

[No. 13(8)/77-EV(B)]

S. R. AGRWALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1978

का०आ० 3694.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिसके कर्मचारी वृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. कार्यालय उप मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार, जयपुर ।
2. कार्यालय उप मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार, लखनऊ ।
3. लेखा परीक्षा कार्यालय, डाक-तार, पटना ।
4. कार्यालय महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़, शिमला ।
5. कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर ।
6. कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़ ।
7. कार्यालय, महालेखाकार, बिहार, पटना ।

[सं० ए०-11019/1/78-ई० जी०1]

एस० के० दास, अवर सचिव

New Delhi, the 25th September, 1978

S.O. 3694.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Indian Audit and Accounts Department, the Staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Office of Deputy Chief Auditor, Posts & Telegraph, Jaipur.
2. Office of Deputy Chief Auditor, Posts & Telegraph Lucknow.
3. Audit Office, Posts & Telegraph, Patna.
4. Office of the Accountant General, Himachal Pradesh and Chandigarh, Simla.
5. Office of the Accountant General, Madhya Pradesh, Gwalior.
6. Office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh.
7. Office of the Accountant General, Bihar, Patna.

[No. A-11019/1/78-EGI]

S. K. DAS, Under Secy.

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल I और II)

नई दिल्ली, 9 जून, 1978

का०आ० 3695.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल-1 तथा 2) नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नई दिल्ली में आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सर्किल-23, नई दिल्ली के नाम से एक नया सेन्ट्रल सर्किल बनाया जाएगा ।

आयकर अधिकारी सेन्ट्रल सर्किल-23 नई दिल्ली ऐसे मामलों के बारे में अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे जो उन्हें आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 की उपधारा (1) के अन्तर्गत आयकर आयुक्त या बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा सौंपे जाएं ।

यह आदेश 9-6-78 से लागू होगा ।

[सं० एस० ई० जूरि (1)/सी/78-79/1177]

Office of the Commissioner of Income-tax Delhi

(Central I & II)

New Delhi, the 9th June, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3695.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax Delhi (Central I & II) New Delhi hereby directs that a new Central Circle known as Income-tax Officer, Central Circle-XXIII, New Delhi shall be created at New Delhi.

The Income-tax Officer Central Circle-XXIII, New Delhi shall perform his functions in respect of such cases as are assigned to him by the Commissioner of Income-tax or the Board as the case may be, under sub-section (1) of Section 127 of the Income-tax Act, 1961.

This order shall come into force w.e.f. 9-6-1978.

[F. No. SI/Jur(1)/C/78-79/1177]

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1978

आयकर

का०आ० 3696.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल)-1 नई दिल्ली निदेश देते है कि 10 जुलाई, 1978 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया गया है :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, सेन्ट्रल रेंज-4, नई दिल्ली ।

उपरोक्त निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त ऐसे मामलों के बारे में अपने कार्य करेंगे जो उन्हें आयकर आयुक्त अथवा केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा सौंपे जाएं ।

[फ० स० एस० आई०/जुरि(1)/सी/78-79/2282(बी)]

New Delhi, the 10th July, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3696.—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Delhi (Central) I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range has been created w.e.f. 10th July, 1978.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Central Range-IV, New Delhi.

The Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax cited above shall perform his function in respect of such cases as assigned to him by the Commissioner of Income-tax or by the Central Board of Direct taxes as the case may be.

[F. No. SI/Jur(I)/C/78-79/2282(B)]

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1978

का०आ० 3697.—इस कार्यालय की दिनांक 31 मई, 1978 की अधिसूचना फा० सं० एस०आई०/जुरि(1)/सी/77-78/ में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली सेन्ट्रल-I नई दिल्ली निदेश देते हैं कि कर वसूली अधिकारी-3 व 21 के बारे में नि० सहायक आयकर आयुक्त (सेन्ट्रल) रेंज-2 व 3 के कार्यों का निष्पादन नीचे बताए गए के अनुसार होगा :—

क्रम सं०	निरी० सहा० आय० आयुक्त के रेंज तथा मुख्यालय का नाम	सर्किल का नाम
1	2	3
1.	निरी० सहा० आय० आयुक्त, (सेन्ट्रल) रेंज-1, नई दिल्ली ।	उक्त अनुसूची के कालम 3 की मद सं० 7 के पश्चात् "कर वसूली अधिकारी-3" नई दिल्ली जोड़ा जाए ।
2.	निरी० सहा० आय० आयुक्त, सेन्ट्रल रेंज-3, नई दिल्ली ।	उक्त अनुसूची की मद सं० 8 पर "कर वसूली अधिकारी-3" नई दिल्ली को हटाकर "कर वसूली अधिकारी-21" नई दिल्ली जोड़ा जाए ।

यह अधिसूचना 26-7-78 से लागू होगी ।

[सं० एस०आई०/जुरि(1)/सी/77-78/2651]

एन० एस० राघवन, आयकर आयुक्त

New Delhi, the 26th July, 1978

S.O. 3697.—In partial modification of the notification F.No. SI/Jur(I)/C/77/73 dated the 31st May, 1978, the Commissioner of Income-tax Delhi (Central-I) New Delhi hereby directs that the functions of the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax (Central Ranges II and III) in respect of Tax Recovery Officers III & XXI shall be performed as mentioned below :—

S. No.	Name of the Inspecting Asstt. Range & Headquarters.	Name of the Circle
1	2	3
1.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C) Range-I, New Delhi.	Add. TRO-III, New Delhi after Item No. VII of Column 3 of the said Schedule.
2.	Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax (C) Range-III New Delhi.	Add. TRO XXI, New Delhi at Item No. VIII of the said Schedule deleting TRO-III New Delhi.

This notification will take effect from 26-7-1978.

[No. SI/Jur(I) /C/77-78/2651]

N. S. RAGHAVAN, Commissioner of Income-tax.

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1978

आयकर

का०आ० 3698.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली (सेन्ट्रल)-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 10 जुलाई, 1978 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाए :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, सेन्ट्रल रेंज-5, नई दिल्ली ।

उपरोक्त निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त ऐसे मामलों के बारे में अपने कार्य करेंगे जो उन्हें आयकर आयुक्त अथवा केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा सौंपे जाएं ।

[सं० एस०आई०/जुरि(1)/सी/78-79/2282(ए)]

New Delhi, the 10th July, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3698.—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 123 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Delhi (C)-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range be created w.e.f. 10th July, 1978.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Central Range-V, New Delhi.

The Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax cited above shall perform his functions in respect of such cases as are assigned to him by the Commissioner of Income-tax or by the Central Board of Direct-taxes, as the case may be.

[F. No. SI/Jur(I)/C/78-79/2282(A)]

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1978

का०आ० 3699.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल-2), नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 9-6-78 की अधिसूचना संख्या एस०आई०/जुरि(1)/सी/78-79/1177 द्वारा बनाया गया आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सर्किल-23, नई दिल्ली का प्रभार समाप्त हो गया है।

यह आदेश 15 जुलाई, 1978 से लागू होगा।

[सं० एस०आई०/जुरि(1)/सी/78-79/2366(ए)]

New Delhi, the 15th July, 1978

S.O. 3699.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax, Delhi (Central-II), New Delhi hereby directs that the charge of the Income-tax Officer, Central Circle-XXIII, New Delhi, created vide Notification No. SI/JUR(1)/C/78-79/1177 dated 9-6-1978, stands abolished.

This order shall come into force with effect from the 15th July, 1978.

[No. SI/Jur(1)/C/78-79/2366A]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1978

का० आ० 3700.—इस कार्यालय की दिनांक 31 मई 1978 की अधिसूचना एफ० सं० : एस आई/जुरि (1)/सी/77-78 में आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली (सेंट्रल) नई दिल्ली निदेश देते हैं कि ऊपर बताई गई अधिसूचना की अनुसूची में निर्दिष्ट सेंट्रल सर्किल-14 व 19 के आयकर अधिकारियों के बारे में निरीक्षीय सहायता आयकर आयुक्त सेंट्रल रेंज-2 व 3 के कार्यों को निम्नलिखित सीमा तक संशोधित किया जाएगा :—

क्रम सं०	निरी० सहा० आय० आयुक्त के रेंज तथा मुख्यालय का नाम	संशोधित किए गए सर्किल का नाम
1	2	3
1.	निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (सेंट्रल) रेंज-2, नई दिल्ली	उक्त अनुसूची में आयकर अधिकारी सेंट्रल सर्किल-19, नई दिल्ली को हटा कर उसके स्थान पर आयकर अधिकारी सेंट्रल सर्किल-14, नई दिल्ली जोड़ा जाए।
2.	निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (सेंट्रल) रेंज-3, नई दिल्ली	उक्त अनुसूची में आयकर अधिकारी सेंट्रल सर्किल-14 नई दिल्ली को हटा कर उसके स्थान पर आयकर अधिकारी सेंट्रल सर्किल-19 नई दिल्ली जोड़ा जाए।

यह अधिसूचना 25-7-78 से लागू होगी।

[सं० एस०आई०/जुरि(1)/सी/77-78/2573]

जे० एस० आनन्द, आयकर आयुक्त

New Delhi, the 24th July, 1978

S.O. 3700—In partial modification of the notification F. No. SI/Jur (1) /C/77-78 dated the 31st May, 1978, the Commissioner of Income-tax Delhi (Central -II) New Delhi, hereby directs that the functions of the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax (Central Ranges-II&III) in respect of the Incometax Officers of Central Circle XIV and XIX mentioned in the Schedule to the aforesaid notification shall be modified to the extent mentioned below :—

S. No.	Name of the Inspecting Assistant, Commissioner, Range & Headquarters	Name of the Circle Modifies
1	2	3
1.	Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax (Contral) Range-II, New Delhi.	Delete Income-tax Office, Central Circle XIX, New Delhi and add Income-tax Officer, Central Circle XIV, New Delhi in Place thereof in the said schedule.
2.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Central) Range-III, New Delhi.	Delete Income-tax Officer, Central Circle XIV, N. Delhi and add Income-tax Officer, Central Circle XIX, N. Delhi in Place thereof in the said schedule.

This notification will take effect from 25-7-78.

[No . SI/Jur(1)/C/77-78/2573]

J. S. ANAND, Commissioner of Income-tax

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई

बम्बई, 8 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3701.—प्रशुल्क मद संख्या 46 के अंतर्गत आने वाले धातु आधान के लिए कच्चे माल का लेखा रखने के सम्बन्ध में इस समाहर्तालय की दिनांक 8-6-77 की अधिसूचना संख्या 173-जी(4)/1/77 को एतद्द्वारा विखण्डित किया जाता है।

[अधिसूचना सं० के० उ० शु० नि०/173-जी(4)/1978 फा० संख्या : 5-46 (3)-1/78]

ई०आर० श्री कण्ठ या, समाहर्ता

Central Excise Collectorate

Bombay, the 8th December, 1978

S.O. 3701.—This Collectorate Notification No. C. Ex CER/173-G(4)/1/77 dated 8-6-1977, regarding the maintenance of raw material account in respect of Meta Containers, falling under T.I. 46, is hereby rescinded.

[Notification No. C. EX. CER/173-G(4)/6/1978 F. No. V-46(3)-1/78]

E. R. SRIKANTIA, Collector.

वाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1978

का० आ० 3702.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-2367 जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं। 1978-06-01 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि फर्म अब लाइसेंस को चालू रखने की इच्छुक नहीं है।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस सं० और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल-2367 1970-07-13	मैसर्स कोचीन टिन फैक्टरी पो० बा० संख्या 6 पल्लूरुत्ती, कोचीन एर्णाकुलम जिला (केरल)	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग	IS : 10 (भाग 4)-1976 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्टि (चतुर्थ पुनरीक्षण)

[सं० सी एम डी/55-2367]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 30th November, 1978

S.O. 3702.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-2367 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1978-06-01 as the firm is not interested in operating the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1	CM/L-2367 1970-07-13	M/s. Cochin Tin Factory Post Box No. 6, Palluruthy, Cochin Ernakulam District, (Kerala)	Teachest metal fittings	IS : 10 (Pt IV)—1976, Specification for plywood teachests (Fourth Revision)

[CMD/55 : 2367]

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3703.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-6339 जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गए हैं 78-08-16 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि वे मुहर लगाने की फीस में संशोधन किए जाने के कारण अपना लाइसेंस चालू रखने के इच्छुक नहीं हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस सं० और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम डी/6339 1977-08-12	मैसर्स कोवगार्ड इंजीनियरिंग वर्क्स 54-56 तेमकर स्ट्रीट (न्यू नेगपेडा) बम्बई-400008 (महाराष्ट्र)	पिटवां एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र के बर्तन ग्रेड-19500	IS: 21-1975 पिटवां एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र के बर्तनों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)

[सं० सीएम डी/55-6339]

ए० पी० बनर्जी, उप महानिदेशक

New Delhi, the 5th December, 1978

S.O. 3703.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-6339 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 78-08-16 as they are not interested to operate the licence due to enhancement of revised marking fee.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1.	CM/L-6339 1977-08-12	M/s Vanguard Engineering Works, 54-56, Temkar Street, (New Nagpada), Bombay-400008 (Maharashtra)	Wrought aluminium and aluminium alloy utensils grade : 19500.	IS : 21-1975 Specification for wrought aluminium and aluminium alloy for utensils (Third revision)

[CMD/55 : 6339]

A. P. BANERJI, Deputy Director General

(मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3704.—कार्यपालक अभियन्ता संगठन एवं पद्धति, विक्रय प्रभाग, बदरपुर थर्मल पावर स्टेशन बदरपुर, नई दिल्ली-44 को स्पेकट्रोमिक 20 केलोरीमीटर के फालतू पुर्जों के आयात के लिए 6,63,3 रुपए (छः हजार छः सौ तैंतीस रुपए मात्र) के लिए आयात लाइसेंस सं० जी/ए/1079205/सी/एक्स एक्स/66-एच/77 दिनांक 10-1-78 प्रदान किया गया था। कार्यपालक अभियन्ता संगठन एवं पद्धति, विक्रय प्रभाग, बदरपुर थर्मल पावर स्टेशन बदरपुर नई दिल्ली ने यह सूचना दी है कि लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी पत्तन पर पंजीकृत कराए बिना और उसका बिल्कुल उपयोग किए बिना अस्थानस्थ हो गई/खो गई है और उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए अनुरोध किया है। अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि उन्हें उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जाए।

मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है और उसकी अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं० 4/31/77-78/पी० एल० एस०/बी०/1142]
सी० एस० आर्य
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 14th December, 1978

S.O. 3704.—The Executive Engineer O &M, Purchase Division, Badarpur Thermal Power Station Badarpur, New Delhi 44 was granted an import licence No. G/A/1079205/C/XX/66/H/77 dated 10-1-78 for Rs. 6,633 only (Rupees six thousand six hundred and thirty three only) for the import of spares for Spectromic 20 Calorimeter. The Executive Engineer O & M, Purchase Division Badarpur Thermal Power Station Badarpur, New Delhi has reported that Customs Purpose copy of the licence has been misplaced/lost without having been registered with any Customs authority and utilised and they have requested to issue duplicate Customs Purpose Copy of the licence.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The under signed is satisfied that C.P. Copy of licence has been lost and directs that the duplicate copy of the Customs Purposes copy of the said licence be issued.

The original Customs Purposes copy has been cancelled and a duplicate copy of the same is being issued, seperately.

C. S. ARYA, Dy. Chief Controller of I & E.
for Chief Controller of Imports and Exports
[File No. 4/31/77-78/PLS/B/1142]

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3705.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन लुधियाना ग्रेन एक्सचेंज लिमिटेड, लुधियाना द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त एक्सचेंज को बिनौले की अग्रिम संविदाओं के बारे में 12 दिसम्बर, 1978 से 11 दिसम्बर, 1979 तक (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे सभी निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[फा० सं० 12(25)/आ० व्या०/78]

के० एस० मैथ्यू, उप सचिव

(Department of Civil Supplies and Cooperation)

New Delhi, the 5th December, 1978

S.O. 3705.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ludhiana Grain Exchanges Ltd., Ludhiana, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 12th December, 1978 to 11th December, 1979 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cottonseed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(25)-IT/78]

E. S. MATHEW, Dy. Secy.

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1978

का. आ. 3706.—शत्रु संपत्ति संशोधन अधिनियम, 1977 द्वारा यथा संशोधित, शत्रु संपत्ति अधिनियम 1968 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 22 अक्तूबर, 1978 से आगामी आदेश होने तक श्री अद्या शंकर मिश्र, उप-सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, राजस्व विभाग, लखनऊ, के स्थान पर उत्तर प्रदेश के लिए शत्रु संपत्ति उप अभिरक्षक के रूप में श्री भगत सिंह, उप सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार राजस्व विभाग, लखनऊ को नियुक्त करती है।

[फा. सं 12(24)/73-ई. आई. ई पी.]

के. वी. बालसुब्रह्मण्यम, उप निदेशक

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 23rd December, 1978

S.O. 3706.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of Enemy Property Act, 1968, as amended by the Enemy Property Amendment Act, 1977, the Central Government hereby appoints Shri Bhagat Singh, Deputy Secretary Government of Uttar Pradesh, Department of Revenue, Lucknow, as Deputy Custodian of Enemy Property for Uttar Pradesh vice Shri Adiya Shanker Misra, Deputy Secretary, Government of Uttar Pradesh, Department of Revenue, Lucknow, with effect from 22nd October, 1978, until further orders.

[F. No. 12(24)/73-EI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Deputy Director

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3707.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2751 तारीख 23-9-1978 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकतर केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन आयल कारपोरेशन लि० में सभी संयंत्रों बाधाओं से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील: रायपुर	जिला:पाली		राज्य :राजस्थान	
ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्गमीटर
सेंवडा	134	0	04	84
	132	0	04	13
	504	0	06	04
	506	0	04	21
	502	0	00	50
	501	0	02	50
	500	0	02	40
	498	0	03	15
	497	0	00	25
	496	0	00	80
	495	0	07	22

[सं० 12020/3/78-प्रो०]

ऐस० ऐम० वाई० नदीम, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 7th December, 1978

S.O. 3707.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O 2751 dated 23-9-1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government .

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Raipur	District : Pali	State : Rajasthan		
Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
Sendra	134	0	04	84
	132	0	04	13
	504	0	06	04
	506	0	04	21
	502	0	00	50
	501	0	02	50
	500	0	02	40
	498	0	03	15
	497	0	00	25
	496	0	00	80
	495	0	07	22

[No. 12020/3/78-Prod.]

S.M.Y. NADEEM, Under Secy,

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3708.—भारत सरकार के राज्य पत्र भाग (ii) खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 10-9-1977 को पृष्ठ संख्या 3074 से 3077 पर का०आ०सं० 2818 के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, पैट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 1202C/8/76 Prod दिनांक 22-8-1977 के अधीन अन्तर्गत निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार नीचे दी गयी अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव : मानवंड तालुका पाटन जिला : मेहसाना गुजरात राज्य

के स्थान पर				पढ़ें			
सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	है०	ए०	वर्ग मीटर		है०	ए०	वर्ग मीटर
2009/2	0–	04–	05–	2109/2	0–	04–	05
1773	0–	11–	14	1773	0–	11–	13
1559	0–	12–	14	1759	0–	12–	14

गांव : बबहाडी तालुका : पाटन जिला : मेहसाना गुजरात राज्य

सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	है०	ए०	वर्गमीटर		है०	ए०	वर्ग मीटर
482	0–	26–	14	482	0–	12–	14
246	C–	08–	59	346	0–	08–	59

गांव : कानी तालुका : पातन जिला मेहसाना गुजरात राज्य

सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	है०	ए०	वर्ग मीटर		है०	ए०	वर्ग मीटर
76/2	0–	10–	70	76/2	0–	10–	95

ह०

सक्षम अधिकारी, गुजरात राज्य क्षेत्र

[सं० 12020/8/76-प्रो०]

ERRATA

New Delhi, the 13th December, 1978

S.O. 3708.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) No. 12020/8/76-Prod., dated 22-8-77 published on page No. 3074 to 3077 vide S. O. No. 2818 dated 10-9-77 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) should be read as per schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village : Manund	Taluka : Patan			District : Mehsana Gujarat State			
FOR				READ			
S. No.	Extent			S. No.	Extent		
	H.	A.	Sq. M.		H.	A.	Sq.M.
2009/2	0—	04—	05	2109/2	0—	04—	05
1773	0—	11—	14	1773	0—	11—	13
1559	0—	12—	14	1759	0—	12—	14
Village : Dabhadi	Taluka : Patan			District : Mehsana Gujarate State			
S. No.	Extent			S. No.	Extent		
	H.	A.	Sq.M.		H.	A.	Sq.M.
482	0—	26—	14	482	0—	12—	14
246	0—	08—	59	346	0—	08—	59
Village : Kani	Taluka : Patan			District : Mehsana Gujarat State			
S. No.	Extent			S.No.	Extent		
	H.	A.	Sq.M.		H.	A.	Sq.M.
76/2	0—	10—	70	76/2	0	10	95

Sd/-
Competent Authority, Gujarat State
[No. 12020/8/76-Prod.]

का० आ० 3709.—भारत सरकार के राज्य पत्र भाग (II) खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 17-9-77 को पृष्ठ संख्या 3382 से 3386 पर का०आ०सं० 2919 के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, पैट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय की अधिसूचना सं० 12020/6/76-प्रो० दिनांक 30-8-77 के अधीन अंतर्गत निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार नीचे दी गयी अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव : मजादर	तालुका : वदगाम	जिला : बानसकनथा	गुजरात राज्य

के स्थान पर				पढ़ें			
सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	हे०	ए०	वर्ग मीटर		हे०	ए०	वर्ग मीटर
123/2/पी/ए.	0—	08—		123/2/पी/ए	0—	08—	00
227/ए.	0—	07—	00	227/ए	0—	09—	00
231/ए.	0—	09—	13	231/ए	0—	07—	13

[सं० 12020/6/76-प्रो० II]

ह०
सक्षम अधिकारी,
भारतीय तेल निगम लि०, रिफाइनरीज अनुभाग पाइपलाइंज, राजकोट

S.O. 3709.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicall and Fertilizers (Department of Petroleum) No. 12020/6/76-Prod, dated 30-8-77 published on page No. 3382 to 3386 vide S. O. No. 2919 dated 17-9-77 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) should be read as per schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village : Majadar	Taluka : Vadgam			District : Banaskantha Gujarat State			
FOR				READ			
S. No.	Extent			S. No.	Extent		
	H.	A.	Sq.M.		H.	A.	Sq.M.
123/2/p/A	0—	08—		123/2/P/A	0—	08—	00
227/A	0—	07—	00	227/A	0—	09—	00
231/A	0—	09—	13	231/A	0—	07—	13

Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd.
Refineries Division Pipelines Rajot
[No. 12020/6/76-Prod. II]

का० आ० 3710.—भारत सरकार के राजपत्र भाग (II) खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 19-11-77 को पृष्ठ संख्या 3996 से 4004 पर का०आ०सं० 3547 के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12020/6/76-प्रोड०.-I दिनांक 24-10-1977 के अधीन अंतर्गत निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार नीचे दी गयी अनुसूची को पढ़ें :—

अनुसूची

गांव : खानोदर	तालुका : पालनपुर	जिला : बनासकंनथा	गुजरात राज्य

के स्थान पर				पढ़			
सर्वेक्षण सं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण सं०	क्षेत्रफल		
	हे०	ए०	वर्ग मीटर		हे०	ए०	वर्ग मीटर
315/4	7—	05—	98	315/4	0—	05—	98
157/बी/5	0—	06—	75	159/बी/5	0—	06—	75
157/बी/3	0—	00—	48	159/बी/3	0—	00—	48
157/बी/2	0—	10—	40	159/बी/2	0—	10—	40

गांव : जगाना	तालुका : पालनपुर	जिला : बनासकंनथा	गुजरात राज्य

सर्वेक्षण सं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण सं०	क्षेत्रफल		
	हे०	ए०	वर्ग मीटर		हे०	ए०	वर्गमीटर
214/3	0—	09—	47	214/3	0—	07—	47

गांव : छितरासनी	तालुका : पालनपुर	जिला : बनासकनथा	गुजरात राज्य

सर्वेक्षण सं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण सं०	क्षेत्रफल		
	हे०	ए०	वर्ग मीटर		हे०	ए०	वर्गमीटर
96	0—	47—	77	96	0—	47—	97

हे०

सक्षम अधिकारी, भारतीय तैल निगम लि०,
रिफाइनरीज डिवीजन पाइपलाइन, गुजरात
[सं० 12020/6/76-III]प्रो

S.O. 3710.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) No. 12020/6/76-Prod. I dated 24-10-77 published on page No. 3996 to 4004 vide S. O. No. 3547 dated 19-11-77 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) should be read as per schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village : Kanodar	Taluka : Palanpur	Banaskantha	Gujarat State

FOR				READ			
S. No.	Extent			S. No.	Extent		
	H.	A.	Sq.M.		H.	A.	Sq.M.
315/4	7—	05—	98	315/4	0—	05—	98
157/B/5	0—	06—	75	159/B/5	0—	06—	75
157/B/3	0—	00—	48	159/B/3	0—	00—	48
157/B/2	0—	10—	40	159/B/2	0—	10—	40

Village : Jagaha	Taluka : Palanpur	District : Banaskantha Gujarat State

S. No.	Extent			S. No.	Extent		
	H.	A.	Sq.M.		H.	A.	Sq.M.
214/3	0—	09—	47	214/3	0—	07—	47

Village : Chitrasanai	Taluka : Palanpur	District : Banaskantha	Gujarat State

S. No.	Extent			S. No.	Extent		
	H.	A.	Sq.M.		H.	A.	Sq.M.
96	0—	47—	77	96	04—	47—	97

Sd/-

Competent Authority Indian Oil Corporation Ltd.
Refineries Division Pipeline Rajkot
[No. 12020/6/76-Prod. III]

का०आ० 3711.—भारत सरकार के राजपत्र भाग (II) खण्ड 3, उपखण्ड (ii), दिनांक 4-3-78 को पृष्ठ संख्या 637 से 639 पर का०आ०सं० 609 के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, पैट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12040/6/76प्रोड० दिनांक 21-9-77 के अधीन अन्तर्गत निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार नीचे दी गयी अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव : कोटवा चांद गढ़ तालुका : पालनपुर जिला : बनासकंनथा गुजरात राज्य

के स्थान पर				पढ़ें			
सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	है०	ए०	वर्ग मीटर		है०	ए०	वर्गमीटर
47/1	0–	45–	58	47/1	0–	45–	68

गांव : इकबाल गढ़ (सरोसरी) तालुका : पालनपुर जिला : बानस कंनथा गुजरात राज्य

के स्थान पर				पढ़ें			
सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	है०	ए०	वर्गमीटर		है०	ए०	वर्ग मीटर
21/1/46	0–	49–	53	21/1/46	0–	49–	53
21/1/41	0–	20–	39	21/1/41	0–	20–	39
21/1/50	0–	37–	44	21/1/50	0–	37–	44
21/1/51	0–	13–	24	21/1/51	0–	13–	24
21/1/57	0–	41–	04	21/1/57	0–	41–	04
21/1/53	0–	15–	56	21/1/53	0–	15–	56
21/5	0–	53–	36	21/5	0–	53–	36
21/6	0–	42–	00	21/6	0–	42–	00
21/1/12	0–	34–	12	21/1/12	0–	34–	12
21/1/11	0–	04–	10	21/1/11	0–	04–	16
21/1/9	0–	39–	78	21/1/9	0–	39–	78
21/1/8	0–	15–	84	21/1/8	0–	15–	84

गांव : जन अरबाब तालुका : पालनपुर जिला : बानसकनथा गुजरात राज्य

के स्थान पर				पढ़ें			
सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल			सर्वेक्षण नं०	क्षेत्रफल		
	है०	ए०	वर्ग मीटर		है०	ए०	वर्गमीटर
6	0	02–	56	6	0–	02–	56

ह०/–

सक्षम प्राधिकारी, भारतीय तैल निगम लि०, रिफाइनरीज अनुभाग

डिवीजन, राजकोट

[12020/6/76 प्रो I]

S.O. 3711.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) No. 12040/6/76-Prod., dated 21-9-77 published on page No. 637 to 639 vide S. O. No. 609 dated 4-3-78 of the Gazette of India Part II Section 3(*ii*) should be read as per schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village : Kotda Chandgadh Taluka : Palanpur District : Banaskantha Gujarat State

FOR				READ			
S. No.	Area			S. No.	Area		
	H.	A.	Sq. M.		H.	A.	Sq. M.
47/1	0—	45—	58	47/1	0—	45—	68

Village : Iqbalgadh (Sarotri) Taluka : Palanpur District : Banaskantha Gujarat State

FOR				READ			
S. No.	Area			S. No.	Area		
	H.	A.	Sq. M.		H.	A.	Sq. M.
21/1/46	0—	49—	53	21/1/46	0—	49—	53
21/1/41	0—	20—	39	21/1/41	0—	20—	39
21/1/50	0—	37—	44	21/1/50	0—	37—	44
21/1/51	0—	13—	24	21/1/51	0—	13—	24
21/1/57	0—	41—	04	21/1/57	0—	41—	04
21/1/53	0—	15—	56	21/1/53	0—	15—	56
21/5/	0—	53—	36	21/5	0—	53—	36
21/6	0—	42—	00	21/6	0—	42—	00
21/1/12	0—	34—	12	21/1/12	0—	34—	12
21/1/11	0—	04—	10	21/1/11	0—	04—	16
21/1/9	0—	39—	78	21/1/9	0—	39—	78
21/1/8	0—	15—	84	21/1/8	0—	15—	84

Village : Zanzarwav Taluka : Palanpur District : Banaskantha Gujarat State

FOR				READ			
S. No.	Area			S. No.	Area		
	H.	A.	Sq. M.		H.	A.	Sq. M.
6.		02—	56	6	0—	02—	56

Sd/-
Competent Authority
Indian Oil Corporation Ltd.
Refineries Division Pipelines
Rajkot

[No. 12020/6/76-Prod-I]
T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1978

का०आ० 3712.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद ।
2. राजकुमारी अमृतकौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली ।
3. ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, नई दिल्ली ।
4. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर ।
5. सहायक औषधि नियंत्रक (भारत), कलकत्ता ।
6. केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, कोचीन ।
7. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद ।
8. सहायक औषधि नियंत्रक (भारत), मद्रास ।
9. पत्तन स्वास्थ्य संगठन भस्मा गोवा, गोवा ।
10. सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, हैदराबाद ।

[सं० ई० 11012/6/78-रा०भा०कार्या०]

आनन्द प्रकाश अत्री, उप-सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 21st November, 1978

S.O. 3712.—In purusance of sub-rule (4) o f rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of Directorate General of Health Services, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Central Govt. Health Scheme, Allahabad.
2. Rajkumari Amrit Kaur Nursing College, New Delhi.
3. Rural Health Training Centre, Najafgarh, New Delhi.
4. Central Govt. Health Scheme, Nagpur.
5. Assistant Drugs Controller (India), Calcutta.
6. Central Drugs Standard Central Organisation, Cochin.
7. Central Govt. Health Scheme, Hyderabad.
8. Assistant Drugs Controller (India), Madras.
9. Port Health Organisation, Bhasma Goa, Goa.
10. Govt. Medical Stores Depot, Hyderabad.

[No. E. 11012/6/78-O.L. Implementation]

ANAND PRAKASH ATRI, Dy. Secy

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 अक्तूबर, 1978

का० आ० 3713.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. निर्माण महानिदेशालय,
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग,
नई दिल्ली ।
2. मुख्य इंजीनियर (उत्तरी अंचल),
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग,
नई दिल्ली ।
3. मुख्य इंजीनियर (पूर्वी अंचल),
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग,
नई दिल्ली ।

[सं० 11017/3/77-हिन्दी]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 25th October, 1978

S.O. 3713.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notified the following offices, the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi :—

1. Office of the Director General of Works, Central Public Works Department, New Delhi.
2. The Chief Engineer (Northern Zone), C.P.W.D., New Delhi.
3. The Chief Engineer (Eastern Zone), C.P.W.D., New Delhi.

[No. 11017/3/77-Hindi]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1978

का० आ० 3714.—इस मन्त्रालय के दिनांक 25 अक्तूबर, 1978 के अधिसूचना संख्या 11017/3/77-हिन्दी के अनुक्रम में, पूर्वोक्त अधिसूचना में क्र० सं० 3 पर उल्लिखित मुख्य इंजीनियर (पूर्वी अंचल) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय को इस प्रकार पढ़ा जाये :—

3. मुख्य इंजीनियर (पूर्वी अंचल),
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग,
कलकत्ता ।

[संख्या 11017/3/77-हिन्दी]
राजेन्द्र प्रसाद सिंह, उप सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th November, 1978

S.O. 3714.—In continuation of this Ministry's Notification No. 11017/3/77-Hindi, dated the 25th October, 1978, the name of office of the "Chief Engineer (Eastern Zone), Central Public Works Department New Delhi" mentioned at S. No. 3 in the aforesaid notification may be read as under :—

3. The Chief Engineer (Eastern Zone), C.P.W.D., Calcutta.

[No. 11017/3/77-Hindi]
R. P. SINGH, Dy. Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3715.—केन्द्रीय सरकार, इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (शेयरों का अर्जन) अधिनियम, 1976 (1976 का 89) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा श्री एच० एम० दास को 13 सितम्बर, 1978 से तथा अगला आदेश दिये जाने तक सहायक संदाय आयुक्त नियुक्त करती है । उनकी नियुक्ति श्री बी० बी० बिस्वास के स्थान पर की गई है जिनकी बदली लोहा तथा इस्पात सहायक नियंत्रक के पद पर हो गई है ।

[फा०सं० 8 (108)/78-के०आई०]
टी० वी० नायर, उप-सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 16th December, 1978

S.O. 3715.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (89 of 1976) the Central Government hereby appoint Shri H. M. Das as Assistant Commissioner of Payments with effect from the 13th September, 1978 and until further orders vice Shri B. B. Biswas transferred as Assistant Iron and Steel Controller.

[File No. 8(108)/78-KI]
T. V. NAYAR, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3716.—चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 10 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37वां अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय सूचना सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी श्री पी० एस० भटनागर को 10 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से श्री बी०वी० चन्द्र के स्थान पर अपर प्रादेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई, के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया है ।

श्री चन्द्र की सेवाएं 10 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से फिल्म प्रभाग, बम्बई को वापस सौंप दी गई थी ।

[फा०सं० 2/5/77-एफ०सी०]
आर० एस० शर्मा, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 1st December, 1978

S.O. 3716.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with rule 10 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government has been pleased to appoint Shri P. S. Bhatnagar, a Grade I Officer of Central Information Service, to officiate as Additional Regional Officer Central Board of Film Censors, Bombay, vice Shri V. B. Chandra, with effect from the afternoon of 10th November, 1978.

The services of Shri Chandra were placed back at the disposal of the Films Division, Bombay, with effect from the afternoon of 10th November, 1978.

[F. No. 2/5/77-FC]
R. S. SHARMA, Desk Officer

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3717.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 147क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में निम्नलिखित वस्तुओं को शामिल करती है, अर्थात् :—

इलायची और कालीमिर्च

[सं० टी० सी० II/2425/78]

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 7th December, 1978

S.O. 3717.—In exercise of the powers conferred by section 147A of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby adds to the Second Schedule to the said Act, the following articles, namely :—

Cardamom and Pepper.

[No. TCII/2425/78]

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3718.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल रेड टैरिफ नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम रेल रेड टैरिफ (सातवां संशोधन) नियम 1978 है ।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

3. रेल रेड टैरिफ नियम, 1960 के अध्याय 3 की सारणी 3 में पेट्रोलियम और अन्य ज्वलनशील द्रव, वर्ग ख शीर्ष के नीचे (ऐसे द्रव जिनका स्फुर वाष्पन 24.4° सी० या अधिक ताप पर होता है) मद 'मिट्टी का या पैराफिन तेल' और उनसे सम्बद्ध प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6
ऑर्थोजाइलीन		(1) लकड़ी के बक्सों में बन्द वायु रोधी टिनों में	—	टैंक वैगनों में ले जाया जा सकता है	यदि फुटकर माल के रूप में बुक किया गया है तो पिछले ब्रेक वैन में ले जाया जा सकता है ।
		1(क) केवल उसी दशा में, जब नियम 322.1 में उपदर्शित रीति में उपयुक्त निभार सहित वायु रोधी टिनों में वैगन भार रूप में भेजा जाए ।			
		(2) इस्पात या लोहे के ड्रमों या अन्य मजबूत एवं सुनिर्मित पात्रों में			
		(3) कार्क और सील बन्द बोतलों में जो भूसे या बुरादे अथवा पुआल में पैक कर लकड़ी के केसों में सुरक्षित की गई हो।			

[सं० 75 टी जी-4/21/2]

पी० एन० मोहिले, सचिव

New Delhi, 14th December, 1978

S.O. 3718.—In exercise of the powers conferred by section 47 of the Indian Railways Act 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Red Tariff Rules, 1960, namely :—

1. These rules may be called the Railways Red Tariff (Seventh Amendment) Rules, 1978.

2. They shall come into force on the date of their publication in the gazette.

3. In the Railways Red Tariff Rules, 1960, in Chapter III, Table III—Petroleum and other Inflammable Liquids, under heading Class 'B' (Liquids the vapours of which have flashing point at 24.4°C and higher temperature) after the item "Kerosene or Paraffin Oil" and the entries relating the reto, the following item and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6
Ortho-Xylene		(1) In air-tight tins, packed in wooden cases.	—	May be carried in tankwagons.	May be carried in the rear brake van when booked as smalls.
		1(A) Only when tendered in wagon-loads in air-tight tins with suitable dunnage as indicated in Rule 322.1.			
		(2) In drums of steel or iron or in other strong and well-made receptacles.			
		(3) In bottles corked and sealed packed in straw or saw-dust or rice husk and secured in wooden cases.			

[No. 75/TG-IV/21/2]

P. N. MOHILE, Secy,

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3719.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 (1923 का 8) की धारा 3 की उपधारा (3) के अधीन भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1246 तारीख 30 अप्रैल, 1978 द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची 3 के भाग 'ग' में कतिपय रोग और नियोजन जोड़ने के आशय की सूचना उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप या सुझाव मांगने के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, दी थी;

और उक्त राजपत्र 29 अप्रैल, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और जनता से उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कर्मकार प्रतिकर अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की अनुसूची 3 के भाग 'ग' में विनिर्दिष्ट रोगों और नियोजनों में निम्नलिखित रोग और नियोजन जोड़ती है, अर्थात्:—

अनुसूची

व्यावसायिक रोग	नियोजन
1	2
"बिसिनोसिस	किसी भी ऐसे कक्ष में कोई भी नियोजन जहां-जहां कार्डिंग प्रक्रिया समेत और इस प्रक्रिया तक की, कोई भी प्रक्रिया उन कारखानों में निष्पादित होती है जिनमें कच्ची या रद्दी कपास या सन (फलैक्स) की कताई या उसका कोई काम किया जाता है
फार्मर्स लंग-फुफफुसी रोग जो फफूंदी वाली घास या अन्य फफूंदी वाले वनस्पति उत्पाद की धूल के अन्तःश्वसन से हो जाते हैं, और जिनके चिन्ह और लक्षण वे होते हैं जो श्वसनी फफफुस प्रणाली के परिधीय भाग में प्रतिक्रिया से हुए माने जा सकते हैं तथा जिनसे गैस आदान-प्रदान पद्धति में नुक्स हो जाता है।	कोई भी व्यवसाय जिसमें निम्नलिखित में नियोजन के कारण फफूंदी वाली घास या अन्य फफूंदी वाले वनस्पति उत्पाद की धूल पड़ना सम्भव है। (क) कृषि, उद्यान कृषि या वानिकी में; या (ख) घास या अन्य वनस्पति उत्पाद के भंडारण में लदाई या उतराई या उठाने धरने में ; या (ग) खोई को उठाने धरने में।
न्यूमोकानियोसिस	कोई भी नियोजन, परन्तु तब जब कि उस दशा का निदान और पुष्टिकरण सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा किया गया है।"

[सं० एस० 37012/2/76-एच० आई०]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 12th December, 1978

S.O. 3719.—Whereas in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1246, dated the 30th April, 1978, under sub-section (3) of section 3 of the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923), the Central Government gave notice of its intention to add certain diseases and employments in Part 'C' of Schedule-III of the said Act for inviting objections or suggestions from the persons likely to be affected;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 29th April, 1978;

And whereas no suggestion or objection was received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 3 of the Workmen's Compensation Act, the Central Government hereby adds the following diseases and Employments to the diseases and employments specified in Part 'C' of Schedule III in the said Act, namely :—

SCHEDULE

Occupational Diseases	Employments
1	2
"Byssinosis	Any employment in any room where any process upto and including the carding process performed in factories in which the spinning or manipulation of raw or waste cotton or of flax is carried on.
Farmer's lung-pulmonary disease due to the inhalation of the dust of mouldy hay or of other mouldy vegetable produce, and characterised by signs and symptoms attributable to a reaction in the peripheral part of the broncho pulmonary system, and giving rise to a defect in gas exchange.	Any occupation involving exposure to the dust of mouldy hay or other mouldy vegetable produce by reason of employment; (a) in agriculture, horticulture or forestry; or (b) loading or unloading or handling in storage of hay or other vegetables produce; or (c) handling bagasse.
Pneumoconoiosis	Any employment, provided that the condition is diagnosed and confirmed by the competent medical authority."

[No. S-37012/2/76-HI]

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3720.—राजस्थान राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अनुसरण में डा० जी० सी० लाढ़ा के स्थान पर डा० बी० बी० एल० सक्सेना, अपर निदेशक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा (कर्मचारी राज्य बीमा योजना) राजस्थान सरकार, जयपुर को चिकित्सा प्रसुविधा परिषद् में उस राज्य से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2980, दिनांक 26 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "(संबंधित राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अधीन नामनिर्दिष्ट)", शीर्षक के नीचे मद 19 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"डा० बी० बी० एल० सक्सेना,
अपर निदेशक, चिकित्सा,
और स्वास्थ्य सेवा (कर्मचारी राज्य बीमा योजना) राजस्थान सरकार,
जयपुर।"

[सं० यू-16012/1/78-एच० आई०]

New Delhi, the 13th December, 1978

S.O. 3720.—Whereas the State Government of Rajasthan has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. B. B. L. Saxena, Additional Director, Medical and Health Service (Employees' State Insurance Scheme) Government of Rajasthan, Jaipur, to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr. G. C. Lodha;

Now therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2980, dated the 26th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "nominated by the State Government concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10", for the entry against item 19, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. B. B. L. Saxena, Additional Director, Medical and Health Services, (Employees' State Insurance Scheme), Government of Rajasthan, Jaipur.

[No. U-16012/1/78-HI]

का० आ० 3721.—कर्नाटक राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अनुसरण में डा० बा० बी० पटेल के स्थान पर डा० के० बी० हनुमन्था रेड्डी, निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना (चिकित्सा) सेवा कर्नाटक सरकार, बंगलौर को चिकित्सा प्रसुविधा परिषद् में उस राज्य से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है :

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2980 दिनांक 26 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "संबंधित राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अधीन नामनिर्दिष्ट" शीर्षक के नीचे मद 11 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"डा० के० बी० हनुमन्था रेड्डी,
निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
(चिकित्सा) सेवा कर्नाटक सरकार,
बंगलौर।"

[सं० यू० 16012(2)/78-एच०आई०]

S.O. 3721.—Whereas the State Government of Karnataka has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. K. B. Hanumantha Reddy Director, Employees' State Insurance Scheme (Medical) Service, Government of Karanataka, Bangalore to represent that state on the Medical Benefit Council in place of Dr. B. V. Patel;

Now, therefore, in pursuance of sub-secion (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2980, dated the 26th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10)", for the entry against item 11, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. K. B. Hanumantha Reddy
Director, Employees State Insurance Scheme (Medical Services), Government of Karnataka, Bangalore.".

[No. U-16012(2)/78-H.I.]

का० आ० 3722.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, नई दिल्ली को, सरकार का राजपत्रित अधिकारी होने के नाते उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ पदा अधिकारी नियुक्त करती है जो निम्नलिखित सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा या उस पर अधिरोपित शक्तियों का पालन करेगा, अर्थात्:—

"कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित केन्द्रीय न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत तथा जो भारत में कहीं भी स्थित हैं ऐसे स्थान।"

[सं० डी० 11011(8)/77 पी(ए) i (II)]

S.O. 3722.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Central Provident Fund Commissioner, New Delhi, being a gazetted Officer of the Government to be an estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officer by or under the said Act in respect of the following public premises, namely :—

"Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Central Board of Trustees constituted by the Central Government under sub-section (1) of section 5A of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) and situated anywhere in India."

[No. D. 11011(8)/77-PFI(ii)]

का० आ० 3723.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971(1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्त्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा-5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो हैदराबाद में हैं।

1	2
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, दिल्ली,नई दिल्ली	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो नई दिल्ली में हैं ।
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त केरल, त्रिवेन्द्रम	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो त्रिवेन्द्रम में है ।
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश, इंदौर	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो इन्दौर में है ।
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र, मुम्बई	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो मुम्बई में है ।
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, उड़ीसा, भुवनेश्वर	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो भुवनेश्वर में है ।
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चण्डीगढ़	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधि नियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत ऐसे भवन और स्थान जो चन्डीगढ़ में है ।
प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु, मद्रास	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो मद्रास में है ।
मुख्यालय, नई दिल्ली में, प्रादेशिक आयुक्त-भारसाधक प्रशासन (स्थानीय)	कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 19) की धारा 5क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के या उसके द्वारा अथवा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सभी ऐसे भवन और स्थान जो मुख्यालय, नई दिल्ली में है।

[सं० डी० 1011(8)77-पीएफ(i)]

S. O. 3723.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in column (1) of the Table below, being gazetted Officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
The Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh, Hyderabad.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Hyderabad.
The Regional Provident Fund Commissioner, Delhi, New Delhi.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in New Delhi.

1	2
The Regional Provident Fund Commissioner, Kerala, Trivandrum.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Trivandrum.
The Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, Indore.	All building and pemises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Indore.
The Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, Bombay.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Bombay.
The Regional Provident Fund Commissioner, Orissa, Bhubaneswar.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Bhubaneswar.
The Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Chandigarh.
The Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, Madras.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) in Madras.
The Regional Commissioner-in-charge of the Administration (Local) in the Headquarters Office, New Delhi.	All building and premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Board of Trustees constituted by the Central Government under Section 5A of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) in the Headquarters Office, New Delhi.

[D. 11011(8)/78-PFI(i)]

का० आ० 3724—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अग्रवाल वूल स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स यूनिट-2, पानीपत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(218)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3724.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Aggarwal Wool Spinning and Weaving Mills Unit 2, Panipat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S-35019(218)/78-PF-II]

का० आ० 3725.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1977 से मैसर्स इस्टर्न क्रोम टैनिंग कारपोरेशन, नं० 19-ए, वेपरी हाई रोड, मद्रास-3, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(224)/78-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 3725.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1977, the establishment known as Messrs Eastern Chrom Tanning Corporation, No. 19-A Vepery High Road, Madras-3, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(224)/78-PF. II(ii)]

का० आ० 3726.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1978 से मैसर्स दि कर्नाटक शेडयुलकास्ट्स एण्ड शेडयुलट्राइब्स डेवलपमेन्ट कारपोरेशन लि०, पैलेस रोड, बंगलौर-1, जिसके अन्तर्गत उसका एच०एम०टी० एनसीलरी यूनिट भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(245)/78-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 3726.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1978, the establishment known as Messrs The Karnataka Scheduled Castese and Schedule Tribes Development Corporation Limited, Palace Road, Bangalore-1 including its HM Ancillary Unit, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(245)/78-PF. II(ii)]

का० आ० 3727.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसस श्री शिवानन्द बिस्कुट कम्पनी, श्रीकाकुलम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(241)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3727.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Sivananda Biscuit Company, Srikakulam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S. 35019(241)/78-PF. II]

का० आ० 3728.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसस राजप्रभा, II एस्टेट, मदापुर पोस्ट, उत्तरी कुर्ग, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(213)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3728.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajprabha II Estate Madapur Post, North Coorg, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1978.

[No. S. 35019(213)/78-PF. II]

का० आ० 3729.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० के० ग्रुप आफ कम्पनीज, 15, मानटिएथ रोड, मद्रास-8, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(242)/78-पी० एफ० II(i)]

S.O. 3729.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs K. K. Group of Companies, 15, Montieth Road, Madras-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1976.

[No. S. 35019(242)/78-PF. II(i)]

का० आ० 3730.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स तारुक इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, राजपुरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(246)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3730.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Taruk Industries Industrial Estate, Rajpura, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019 (246)/78-PF. II]

का०आ० 3731.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1976 से मैसर्स के० के० ग्रुप आफ कम्पनीज, 15, मानटिएथ रोड, मद्रास-8, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(242)/78-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 3731.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1976, the establishment known as Messrs. K. K. Group of Companies, 15, Montieth Road Madras-8, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(242)/78-PF. II(ii)]

का०आ० 3732.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वाक एक्सपोर्ट्स (प्रोइवेट) लिमिटेड, 15, मानटिएथ रोड, मद्रास-8, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(247)/78-पी० एफ० II(i)]

S.O. 3732.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vak Exports (Private) Limited, 15, Montieth Road, Madras-8 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1976.

[No. S. 35019(247)/78-PF. II (i)]

का०आ० 3733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री निवास थिएटर, नारायणा गुडा, हैदराबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(244)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3733.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Srinivasa Theatre, Narayana Guda, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1978.

[No. S. 35019(244)/78-PF. II]

का०आ० 3734.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जयालक्ष्मी विलास, काफी होटल, राजम, श्रीककुलम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(222)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3734.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayalakshmi Vilas, Coffee Hotel, Rajam, Srikakulam District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S. 35019(222)/78-PF. II]

का०आ० 3735.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1976 से मैसस वाक एक्सपोर्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 15, मानटिएथ रोड, मद्रास-8, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(247)/78-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 3735.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the

matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1976 the establishment known as Messrs Vak Exports (Private) Limited, 15, Montieth Road, Madras-8, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/247/78-PF. II (ii)]

का०आ० 3736.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शान्ति इन्टरप्राइजेज, 3-ए, एवेन्यू रोड, मद्रास-34, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(256)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3736.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shanthi Enterprises, 3-A, Avenue Road, Madras-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35019/256/78-PF. II]

का०आ० 3737.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मलेसियन एयरलाइन सिस्टम, 2/144, माउन्ट रोड, मद्रास-6, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(248)/78-पी० एफ० II(i)]

S.O. 3737.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Malaysion Airline System, 2/144, Mount Road, Madras-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/248/78-PF. II (i)]

का०आ० 3738.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1978 से मैसर्स लाइनर्स इण्डिया, लब्बीपेटा, विजयवाड़ा-10, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(240)/78-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 3738.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1978, the establishment known as Messrs. Liners India, Labbipeta, Vijayawada-10, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/240/78-PF. II (ii)]

का० आ० 3739.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आंध्र प्रदेश लाइटिंग्स लिमिटेड, परिश्रम भवन, फतेह मैदान रोड, हैदराबाद-29, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(243)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 3739.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh Lightings Limited, Parisrama Bhavan, Fateh Maidan Road, Hyderabad-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35019/243/78-P.F. II(i)]

का० आ० 3740.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1974 से मैसर्स डेक्कन पेपर एण्ड बोर्ड्स, 175/1, माउंट रोड, मद्रास-2, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(231)/78-पी०एफ० II (ii)]

S.O. 3740.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1974 the establishment known as Messrs Deccan Paper and Boards, 175/1, Mount Road, Madras-2, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/231/78-PF. II(ii)]

का० आ० 3741.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लाइनर्स इण्डिया, लब्बीपेटा, विजयवाड़ा-10, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जून, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(240)/78-पी०एफ० II)(i)]

S.O. 3741.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Liners India, Labbipeta, Vijayawada-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1978.

[No. S. 35019/240/78-PF. II(i)]

का० आ० 3742.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टिचेज, 4 डी, ठक्कर इण्डस्ट्रियल एस्टेट, एन० एम० जोशी मार्ग, मुम्बई-11, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(95)/78-पी०एफ०II]

S.O. 3742.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Stiches, 4D, Thacker Industrial Estate, N. M. Joshi Marg, Bombay-11 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1977.

[No. S. 35018/95/78-PF. II]

का० आ० 3743.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माणिक बिजनैस मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड जिसको पहले मैसर्स आशा आयलकूलर्स तथा इन्जीनियरिंग प्राडक्ट्स प्रोइवेट लिमिटेड के नाम से पुकारा जाता था और जिसके अन्तर्गत 122-124 ए, जाली मेकर चैम्बर्स नं० 2 नारीमन प्वाइंट मुम्बई-21 स्थित जिसका कारखाना है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018 (105)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 3743.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manik Business Machines (Private) Limited formerly known as Messrs Asha Oilcoolers and Engineering Products (Private) Limited, including its factory at 122, 124-A Jolly Maker Chambers No. 2, Nariman Point, Bombay-21 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1977.

[No. S. 35018/105/78-PF. II(i)]

का० आ० 3744.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 मार्च, 1977 से मैसर्स माणिक बिजनैस मशीन्स प्राइवेट लि० जिसको पहले मैसर्स आशा आयल कूलर्स तथा इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स प्रा० लि० के नाम से पुकारा जाता था और जिसके अंतर्गत 122-124ए, जाली मेकर चैम्बर्स नं० 2, नारीमन प्वाइंट, मुम्बई 21 स्थित जिसका कारखाना है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35018(105)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 3744.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of March, 1977 the establishment known as Messrs, Manik Business (Private) Limited formerly known as Messrs Asha Oilcoolers and Machines Engineering Products (Private) Limited, including its factory at 122, 124-A, Jolly Maker Chambers No. 2, Nariman Point, Bombay-21 for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35018/105/78-P.F. II (i)]

का० आ० 3745.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रेम सन्स, 63—ए, भुलाभाई देसाई रोड, मुम्बई-26, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अक्तूबर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(102)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3745.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Premsons, 63-A, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1977.

[No. S 35018/102/78-PF. II]

का० आ० 3746.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्राइम इंजीनियरिंग वर्क्स, प्लाट नं० ए/13, रोड नं० 22, वागले इण्डस्ट्रियल एस्टेट, थाने-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018(106)/78-पीएफ II]

S.O. 3746.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prime Engineering Works, Plot No. A/13, Road No. 22, Wagle Industrial Estate, Thane-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1978.

[No. S. 35018/106/78-PF. II]

का० आ० 3747.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात 1 अक्तूबर, 1977 से मैसर्स आर० एम० डी० सी० पैकेजिंग (प्राईवेट) लिमिटेड, 70-71 वर्ली एस्टेट, मुम्बई-18, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(98)/78-पी० एफ०II (ii)]

S.O. 3747.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1977, the establishment known as Messrs. R.M.D.C. Packaging (Private) Limited, 70-71 Worli Estate, Bombay-18, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/98/78-P.F. II (ii)]

का० आ० 3748.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्वान रबड़ इण्डस्ट्रीज, 35/2, मुरारीपुकुर रोड, कलकत्ता-4, जिसके अन्तर्गत 39/1/1ए, कनाल वेस्ट रोड, कलकत्ता-4 स्थित उसका 11 कारखाना भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35017(56)/78-पी एफ II]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

S.O. 3748.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Swan Rubber Industries, 35/2, Muraripukur Road, Calcutta-4 including its IInd Factory at 39/1/1A Canal West Road, Calcutta-4 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made, applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35017/56/78-P.F. II]
HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

का० आ० 3749.—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, के खण्ड (ङ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1825 तारीख 14 जून, 1978 द्वारा दिल्ली दुग्ध योजना के अधीन दुग्ध प्रदाय उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 जून, 1978 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ङ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 दिसम्बर, 1978 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० एस० 11019/11/78-डी० 1 (ए)]

S.O. 3749.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No .S.O. 1825 dated the 14th June, 1978 the industry for the supply of milk under the Delhi Milk Scheme to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 22nd June, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the **Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Gov**ernment hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 22nd December, 1978.

[No. S. 11019/11/78/DI(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3750.—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम मंत्रालय के अधिसूचना का० आ० संख्या 2242, दिनांक 24 मई, 1971 द्वारा गठित श्रम न्यायालय जिसका मुख्यालय गुन्टूर में स्थित है; के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हो गया है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री नयानी कृष्णामूर्ति को पूर्वोक्त गठित श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं० एस० 11020/12/78/डी 1(ए)]

एल० के० नारायणन, डेस्क अधिकारी

ORDER

S.O. 3750.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Lobour Court with headquarters at Guntur constituted by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2242 dated the 24th May, 1971 ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Nayani Krishnamurthy, as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. S. 11020/12/78/DIA]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

New Delhi, the 13th December, 1978

S.O. 3751.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Sripur Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Kalipahari, Distt. Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on 7th December, 1978.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 34 of 1976

PARTIES :

Management of Sripur Colliery of Eastern Coalfields Ltd.,

AND

Their Workman

PRESENT :

Sri Justice S. K. Mukherjee . . .Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Sri M. N. Kar, Advocate.

On the behalf of Workman—Sri A. K. Lal Gupta, Advocate.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Coalmine

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-19012/13/76-D. III. B. dated 26th November, 1976, referred the industrial dispute existing between the management of Sripur Colliery, Eastern Coalfields Ltd., and their workman, to this Tribunal, for adjudication. The reference reads :

Whether the demand of Shri S. S. Maity, Clerk of the Personnel Department of Sripur Colliery, Eastern Coalfield Ltd., P.O. Kalipahari, District Burdwan, for being placed as Head Clerk, Grade-I as per Coal Wage Board Recommendations, is justified ? If so, to what relief is the said workman entitled and from what date ?"

2. The parties duly filed their pleadings. On the date of hearing they jointly filed a Memrandum of Settlement in terms of which they asked for disposal of the reference. I have gone through the terms of settlement and am of opinion that they are fair and reasonable. A copy of the Memorandum of settlement is annexed hereto as part of this Award.

3. In the result I make my award in terms of the Memorandum of Settlement.

S. K. MUKHERJEA, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 34 of 1976

Employers in relation to the Management of Eastern Coalfields Limited and their workmen.

The joint petition of the petitioners above named most Respectfully State :

1. The above matter is pending for adjudication before your honour.

2. Both the parties were directed by your Honour to file written statements and the same have already been submitted.

3. Both the parties in the meantime discussed the aforesaid matter among themselves and they have come to a settlement of the dispute on the following terms :

Terms of settlement

A. The Management agree to place Shri S. S. Maity, the workman herein concerned, in Grade I of the Clerical Grade as per National Coal Wage Agreement with effect from 1st January, 1977 and post him in Musilia Unit of Ghusick Sub-Area with effect from 7th December, 1978.

B. The Management shall fix Shri Malty's Basic salary at Rs. 486/- per month with effect from 1st January, 1977.

C. The workman agrees that he shall not further claim whatsoever, from the Management in the matter covered under the aforesaid dispute.

D. Both the parties most respectfully pray that your honour may be graciously pleased to pass an award in terms of the compromise petition.

And for this the parties abovenamed shall ever pray.

Dated, 30th November, 1978.

Sd./- Illegible

On the behalf of Workmen.

Sd./- Illegible

On behalf of Employees

S. S. MAITY, Concerned Workman.

S. K. MUKHERJEEA, Presidlng Officer

[No. 19012/13/76-D. III(B)/D. IV(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1978

का० आ० 3751.—ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड, डाकघर जे०के० नगर (बर्दवान) की निमचा सब एरिया के प्रबन्धतन्त्र और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व कोलियरी मजदूर संघ (ए० आई० टी० यू० सी०) आसनसोल करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947(1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को प्रकाशित करती है ।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन)

पक्षकारों के नाम:

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले — श्री अभिताब सिन्हा, ए० सी० पी० ओ० मैसर्स ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि० डाकघर देवचांद-नगर (बर्दवान) का सतग्राम एरिया

कर्मकारों का प्रतिनिधि करने वाले — श्री सुनील सेन, आर्गेनाइजिंग सैक्रेटरी कोलियरी मजदूर सभा (ए० आई० टी० यू० सी०) डाकघर आसनसोल (बर्दवान)

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री डी० वी० रामाचन्द्रन, क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) आसनसोल के मध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है :—

1. विनिर्दिष्ट विवाद ग्रस्त विषय :— "क्या ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड डाकघर जे० के० नगर जिला बर्दवान के निमचा सब-एरिया के प्रबन्धतंत्र की श्री एन० सी० नन्दी ओ० एस० की 90 रु० प्रतिमाह के वैयक्तिक वेतन पर विचार न करते हुए 1-1-1975 से 650/-रु० की मजदूरी निर्धारित करने की कार्यवाही न्यायोचित है यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्वलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है। 1. उप-क्षेत्रीय प्रबंधक, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०, डाकघर जे० के० नगर (बर्दवान) का निमचा सब-एरिया।
2. आर्गेनाइजिंग सैक्रटरी, कोलियर मजदूर सभा (ए० आई० टी० यू० सी०), जी० टी० रोड, डाकघर, आसनसोल (बर्दवान)।

3. कर्मकार का नाम यदि वह विवाद में स्वयं अन्तग्रस्त है या यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उनका नाम । वि आर्गेनाइजिंग सैक्रटरी, कोलियरी मजदूर सभा (ए०आई०टी०यू०सी०) जी०टी० रोड, डाकघर आसनसोल (बर्दवान)

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या । लगभग 40

5. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यत एक प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या

मध्यस्थ अपना पंचाट समुचित सरकार द्वारा भारत के राजपत्र में इस करार के प्रकाशन की तारीख से 90(नब्बे) दिन की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा । यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम के लिए निदेश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम के लिए बातचीत करने को स्वतन्त्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

ह०/-सुनील सेन — ह०/-अमिताव सिंहा

तारीख 4-11-78 — तारीख 4-11-78

(कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले) (नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले)

साक्षी

1. ह०/-अपाठ्य तारीख 4-11-78
2. ह०/-अपाठ्य तारीख 4-11-78

मैं मध्यस्थम बनने के लिए सहमति देता हूं।

ह० (डी० वी० रामाचन्द्रन)

क्षेत्रीय श्रमायुक्त,

आसनसोल

[सं० एल० -19013/6/78-डी० 4-बी]

ORDER

New Delhi, the 14th December, 1978

S.O. 3753.—Whereas an industrial dispute exists between the management of Nimcha Sub-Area of Eastern Coalfields Limited, Post Office Jaykaynagar (Burdwan) and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC) Asansol;

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the persons mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

BETWEEN

Names of the Parties.—Shri Amitav Sinha, A.C.P.O.

Representing the employers.—Satgram Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. P.O. Devchandnagar, (Burdwan).

Representing the workman.—Shri Sunil Sen, Organising Secy. Colliery Mazdoor Sabha (AITUC) P.O. Asansol (Burdwan).

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of D. V. Ramachandran, Regional Labour Commissioner (Central) Asansol.

(i) Specific matters in disputes :

"Whether the action of the management of Nimcha Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P.O. J. K. Nagar, Distt. Burdwan by fixing the wages of Shri N. C. Nandi, O. S. at Rs. 645/- without considering the personal pay of Rs. 90/- per month with effect from 1-1-1975 was justified ? If not, to what relief is the concerned wirkman is entitled ?"

(ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :

(1) The Sub-Area Manager, Nimcha Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Jaykaynagar (Burdwan).

(2) The Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G. T. Road, P.O. Asansol, (Burdwan).

(iii) Name of the workman in case he himself is involved in the dispute or the name of the Union, if any representing the workmen in question.

Representing the workman :—The Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC) G. T. Road, P.O. Asansol (Burdwan).

(iv) Total No. of workmen employed in the undertaking affected ; About 40

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute : 1

We further agree that decisions of the arbitrator shall be binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of 90 (ninety) days from the date of publication of this agreement in the officials Gazette by the appropriate Government or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing in case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Sd./- (Sunil Sen) Dtd. 4-11-78
(Representing the workman)

Sd./- (Amitav Sinha) Dtd. 4-11-78
(Representing the employer)

Witnesses :
1. Sd/-Illegible, Dtd. 4-11-78
2. Sd/-Illegible, Dtd. 4-11-78

I consent to become Arbitrator
Sd/-(D. V. Ramachandran)
Regional Labour Commissioner (C)
Asansol

[No. L-19013(6)/78-D. IV(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1978

का०आ० 3753.—मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, देवचांदनगर (बर्दवान) से सतग्राम एरिया स्टोर्स के प्रबन्धतंत्र और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व कोयला मजदूर कांग्रेस (एच०एम० एस०) आसनसोल करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और उक्त प्रबन्धतंत्र और कर्मचारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त मध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को, जो उसे 5 दिसम्बर, 1978 को मिला था, एतद्द्वारा प्रकाशित करती है ।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

पक्षकारों के नाम :

मैसर्स ई० सी० लि० डाकखाना देवचांदनगर (बर्दवान) सतग्राम एरिया के अन्तर्गत सतग्राम एरिया स्टोर्स के नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री अमिताव सिन्हा, उप कार्मिक प्रबन्धक, सतग्राम एरिया, मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० डाकखाना देवचांदनगर (बर्दवान) ।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री एस० के० पांडे, मंत्री, कोयला मजदूर कांग्रेस (एच० एम० एस०) गोरे मेंशन, जी० टी० रोड, आसनसोल ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री डी०वी० रामाचन्द्रन, क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), आसनसोल, को मध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है :—

1. विनिर्दिष्ट विवाद ग्रस्त विषय : क्या मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० के सतग्राम एरिया के अन्तर्गत सतग्राम एरिया स्टोर्स के प्रबन्धतंत्र की श्री एन० के० सिंह, स्टोर, अधीक्षक, तकनीकी 'क' को अगस्त, 1973 से स्टोर कीपर के ग्रेड में रखने और राष्ट्रीय कोयला मजदूरी समझौते के साथ पठित कोयला खनन उद्योग के मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार स्पेशल ग्रेड में रखने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्वलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है । 1. महाप्रबन्धक, मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० का सतग्राम एरिया डाकखाना देवचांदनगर (बर्दवान)।

2. मंत्री, कोयला मजदूर कांग्रेस (एच० एम० एस०) गोरे मेंशन, जी०टी० रोड, आसनसोल

3. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या : 40

4. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या एक

मध्यस्थ अपना पंचाट इस करार के भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक सौ बीस दिन (120 दिन) की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा ।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

ह०/- ह०/-

ह०/-(अमिताव सिन्हा) ह०/- (एस० के० पांडे)

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

1. ह०/- अपाठ्य तारीख 17-11-1978

2. ह०/- अपाठ्य तारीख 17-11-1978

मैं मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए अपनी सहमति देता हूं।

ह०/-

(डी० वी० रामाचन्द्रन)

क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) आसनसोल

[सं० एल-19013/5/78-डी० 4(बी०)]

भूपेन्द्र नाथ, डेस्क अधिकारी

ORDER

S.O. 3753.—Whereas an industrial dispute exists between the management of Satgram Area Stores of Messrs Eastern Coalfields Limited, Devchandnagar (Burdwan) and their workmen represented by Koyala Mazdoor Congress (HMS) Asansol;

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of subsection (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 5th December, 1978.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

BETWEEN

PARTIES :

Representing the employer of Satgram Area Store under Satgram Area of M/s. E. C. Ltd., P.O. Devchandnagar (Burdwan). — Shri Amitava Sinha, Dy. Personnel Manager, Satgram Area, M/s. Eastern Coalfields Ltd. P.O. Devchandnagar (Burdwan).

Representing the workmen — Shri S. K. Pandey, Secretary, Koyala Mazdoor Congress (HMS) Gorai Mansion, G. T. Road, Asansol.

It is heeeby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitrat on Shri D. V. Ramachandran, Regional Labour Commissioner (Central) Asansol.

(i) Specific matters in dispute :

"Whether the action of the management of Satgram Area Stores under Satgram Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., is justified in fixing with effect from August, 73 Shri N. K. Singh, Store Superintendent of Technical 'A' to the grade of Store Keeper and putting in Special Grade in terms of Scale of pay as per Wage Board Recommendation for Coal Mining Industry read with the National Coal Wage Agreement ? If not, to what relief the workmen is entitled to."

(ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the Establishment of undertaking involved :

(1) The General Manager, Satgram Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Devchandnagar (Burdwan).

(2) The Secretary, Koyala Mazdoor Congress (HMS), Gorai Mansion, G. T. Road, Asansol.

(iii) Total No. of workmen employed in the undertaking affected : 40

(iv) Estimated No. of workmen affected or likely to be affected : One

The Arbitrator shall make his award within a period of one hundred and twenty days (120 days) or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing from the date of publication of this Agreement in the Gazette of the Govt. of India.

Sd./- (S. K. Pandey) (Representing the workmen)

Sd./- (Amitava Sinha) (Representing the employer)

Witnesses : 1. Sd./-Illegible (D)
Dtd. 17-11-1978

2. Sd./-(Illegible)
Dtd. 17-11-1978

Dated : the 17th November, 1978

I hereby give my consent to act as an Arbitrator.

Sd./- (D. V. Ramachandran)

Regional Labour Commissioner (Central)

Asansol.

[No. L-19013(5)/78-D-IV(B)]
BHUPENDRA NATH, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1978

का०आ० 3754.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ बड़ौदा, कोचीन, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के साथ पठित धारा 7क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेल्वारत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक आफ बड़ौदा, कोचीन के प्रबन्धतंत्र की आशुलिपिक की सेवा को बनाए रखने और बैंक की कोचीन शाखा के टाइपिस्ट-एवं-क्लर्क, श्री पी० एन० राजागोपालन नायर को, 18-1-77 से विशेष भत्ते का संदाय करने से इंकार करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबन्धित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?'

[सं० एल-12012/55/78-डी-2-ए]
एस० के० मुकर्जी, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 17th November, 1978

S.O. 3754.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bank of Baroda, Cochin and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal the Presiding Officer of which shall be Shri K. Selvaratnam with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Cochin in denying the continuance of the duties of Stenographer and the payment of special allowance to Shri P. N. Rajagopalan Nair, Typist-cum-clerk in Cochin Branch of the Bank with effect from 18-1-77 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

[No. L-12012/55/78-D.II.A]

S. K. MUKHERJEE, Under Secy.

New Delhi, the 16th December, 1978

S.O. 3755.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Trivandrum and their workman over denial to officiating chance to Shri R. Sankaramoorthy Pillay, Peon to officiate as Electrician-cum-Caretaker with effect from the 14th May, 1973, which was received by the Central Government on the 5th December, 1978.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

Reference No. CGIT-41 of 1975

Employers in relation to Reserve Bank of India, Kerala

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. Srinivasan, Dy. Legal Adviser.

For the Workmen : 1. Shri E. Ramakrishnan, Secretary, R.B.W. Union, Trivandrum.

2. Shri M. O. Jacob, President, R.B.W. Union, Trivandrum.

3. Shri C. Ramachandran Nair, Asstt. Secretary, R.B.W. Union, Trivandrum.

INDUSTRY : Banking STATE : Kerala

Bombay, dated the 1st December, 1978

AWARD

1. Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on it under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal.

"SCHEDULE

Whether the management of the Reserve Bank of India Department of Banking Operations and Development, Trivandrum, in denying officiating chance to Shri R. Sankaramoorthy Pillay, Peon, to officiate as Electrician-cum-Caretaker, with effect from the 14th May, 1973 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The Reserve Bank Workers' Union has filed a statement of claim on behalf of the workman Shri R. S. Pillai. It states as follows. In Trivandrum office of the Bank the post of an Electrician-cum-Caretaker was created in 1967. His main work is to take care of the Bank's property and attend to the maintenance of Electrical installations and supervise the duties entrusted to the Durwans, Sweepers and Malis. To hold this post he should possess inter-alia an Electrician's license. Shri K. B. Nair was appointed as Electrician cum Caretaker. Later a panel of names was drawn up to make leave arrangements. For this purpose two employees from Class IV were selected. They were S/Shri R. S. Pillai and P. A. Nair. Of them Shri Pillai held a wireman's license and he was given the first preference. He has been serving the Bank as a Peon since 1961. As and when occasion arose Shri Pillai used to officiate in the post till May, 1973 and there was no adverse report on him. But all of a sudden from 14-5-1973 he has been denied the officiating chance without adducing any reason whatsoever. The Union made a representation to the Bank and the Bank replied by saying that since it is purely an administrative matter and that it concerns an individual employee it will not be possible for the Bank to enter into any correspondence with the Union. It is the case of the Union that reason for denying officiating chance to Shri Pillai is because of the Union rivalry. He is the Treasurer of the Reserve Bank Workers' Union. Recently, another Union has been formed under the name of Reserve Bank Class IV Employees' Union with Shri K. V. Nair as the President. This Shri K. V. Nair is a Subedar attached to the Officer-in-Charge. The Officer-in-Charge in order to show favour to his own Subedar Shri K. V. Nair is said to have denied officiating chance to Shri Pillai. An instance of favouritism shown by him was to pay him a special pay of Rs. 33 per mensum for the days he officiated. He was also paid overtime allowance which was more beneficial in terms of money. Denial of promotion to Shri Pillai and according to it Shri K. V. Nair, Subedar, a different mode of remuneration is said to be a case of malice and against the principles of natural justice. The matter was taken up in Conciliation also. But it ended into a failure report. It is said to be a case of personal prejudice as a result of which Shri Pillai has lost officiating chance from 1973 onward and has accordingly lost heavily from the financial point of view.

3. The Bank has filed a Statement of Case wherein it is stated that under Regulation 29 of the Reserve Bank of India (Staff Regulations, 1948, promotions have to be made at the discretion of the Bank and notwithstanding his seniority in the grade, no employee shall have a right to be promoted to any particular post or grade. The promotion of an individual employee is purely a management function and depends on the suitability, capability and seniority of the employee. This is determined by the Management on the basis of day to day discharge of duties. Regarding the manner of work during the officiating period of Shri Pillai, it is stated that when he was given the officiating chance, several short comings in his attitude and in discarge of duties were noticed and brought to his notice. But he adopted a defiant attitude with the result he was not given further officiating chance, since after May, 1973. Four instances has been quoted in this connection. They are as follows :—

(i) In September, 1972 when the Onam festival feast was arranged by the members of the Staff in the staff canteen, certain undesirable elements intended to create trouble in the canteen. As such the Bank Office issued a circular giving instructions to the members of the staff regarding the use of the space for the feast in order to protect the sentiments of the vegetarians. Shri Pillai who was acting as an Electrician cum Caretaker was instructed by the Bank to ensure compliance with the direction. Shri Pillai not only did not adhere to the instructions of the office but acted in a manner detrimental to the interests of the Bank. He was then orally advised by the Officer-in-Charge to perform his duties in a more responsible manner.

(ii) In December, 1972 Shri Pillai wrote to the Bank that "in future, the work in the office will be done by me in accordance with the orders issued by the Office and I must be given the orders in writing in order to do these duties. I also wish to inform that if there is any delay in giving such orders, I will not be responsible for it". The Bank had therefore, invited his attention to the provisions of Regulation 32 of the Reserve Bank of India (Staff) Regulations 1948. He was advised that he has to observe, comply with and obey all orders and directions which may from time to time be given in writing or orally by any of his superior officers.

(iii) In January, 1973 a gathering had been arranged to meet Shri P. J. J. Pinto, a very senior Head of the

department in the Central Office of the Bank in Bombay. One of the Peons of the Bank indulged in unseemly behaviour towards certain members of the staff who were rendering necessary assistance for the smooth conduct of the function, and Shri Pillai who was officiating as Caretaker did not render necessary cooperation to meet the situation but sided with the miscreants.

(iv) In May, 1973 when he was officiating as Electrician-cum-Caretaker it was found that a number of bolts and handles in office building were missing. Shri Pillai was asked to explain and his explanation was not found satisfactory, as the keys of the office building was in his custody during the relevant period.

4. It is contended that the fact that Shri Pillai was an active member of the Reserve Bank Workers' Union has no relevance since the Bank always allows normal trade union activities and that denial of officiating promotion is founded on very good grounds. If Shri Pillai overcomes his shortcomings and shows improvement, the Bank says it will be prepared to consider his case.

5. The Reserve Bank Workers' Union has filed a rejoinder to the Statement of the Case filed by the Bank. They have denied that Shri Pillai was ever advised of the alleged shortcomings either orally or in writing and that it is a case of sheer personal prejudice of the Officer-in-Charge. Regarding the Onam festival the case of the Union is that the feast was conducted by the Reserve Bank of India Employees' Co-operative Canteen Limited, Trivandrum, in the Canteen Hall of the Bank's premises and not by the members of the staff. The canteen caters to the needs of both Vegetarian and Non-vegetarian sections and it is not understood how the issue of the circular by the Bank was considered necessary to protect the sentiments of vegetarians. To penalise the Caretaker for what happened on that day is said to be unwarranted and uncalled for. Regarding the letter dated 26-12-1972 written to the Bank by Shri Pillai, it is said that the whole correspondence has to be looked into to get a correct picture. In respect of the gathering arranged on 31-1-1973 in honour of Shri P. J. J. Pinto it is stated that the reported incident is cooked up. So far as the theft is concerned, it is said to have occurred not during the period Shri Pillai was officiating. During the absence of leave of the permanent Caretaker both Shri Pillai and Nair were in charge and without any reason fault has been found with Shri Pillai.

6. The Bank has also filed to the Statement of claim filed by the Reserve Bank Workers' Union. It has stated that formerly the leave vacancy used to be entrusted to Shri Nair who has four years' experience as Radio Operator and also conversant with Electrical work and wiring. He however, did not possess the wireman's licence. In May, 1970 a policy decision was taken that if any class IV employee possesses a wireman's licence it may be desirable to entrust him with the duties of Electrician-cum-Caretaker during the leave vacancies. Shri R. S. Pillai was the only Class IV employee possessing such a licence and accordingly, although he was junior to Shri P. A. Nair he used to be given officiating chance. Since May, 1973, however, Shri P. A. Nair is being given officiating chance as Shri Pillai has been found unsuitable. It is denied that Shri K. V. Nair Subedar, had been given officiating chance. The fact is that during the short period of 26-10-1974 to 31-10-1974 when both the regular Electrician-cum-Caretaker as well as the substitute Shri Nair were on leave the portion of the work relating to opening and closing of office premises was given to Subedar Shri K. V. Nair. The accepted local practice is to entrust this work to the seniormost staff amongst the Peons and accordingly it was so done and he was compensated for the additional work and payment was made in the manner it is made to Class IV employees who are entrusted with similar type of work. The fact that Subedar K. V. Nair is an office-bearer of another Union is said to have no relevance to the matter. The question of showing favouritism to Subedar Nair is strongly denied. The Union's contention that during the Conciliation proceeding the representative of the Bank made it clear that Shri Pillai's case has nothing to do with theft, is not based on facts.

7. In a case between Brooke Bond India Pvt. Ltd., and their workmen, 1963, I, III, 256 the Supreme Court has laid down the approach that should be made in such cases. It has observed as follows :—

"It is true that though promotions would normally be a part of the management's function, if it appears that in promoting one employee in preference to another, the management has been actuated by malicious considerations or that the failure to promote one eligible person amounts to an unfair labour practice, that would be different matter. But in the absence of mala fides, normally it must be left to the discretion of the management to select which of the employees should be promoted at a given time subject to the formula stated supra."

Thus it is pertinent to consider whether in the present case the Bank has been (1) actuated by any malicious considerations or (2) failure to promote Shri Pillai amounts to an unfair labour practice.

8. In support of the denial of the officiating promotion the Bank has relied upon four instances. Let us consider them one by one.

9. Regarding Onam Festival feast Shri Pillai (WW—I) stated that there was an office order that the members of the staff participating in the feast should only use the main hall and the non-vegetarians should use the adjoining room. He is a non-vegetarian and was officiating as Caretaker on that date. But he took his meals in the main hall, because the Union had given a call that any member of the staff could eat vegetarian or non-vegetarian food in the main hall. In other words, the workman takes a plea that on the call of the Union he disobeyed the kind of circular that had been issued by the Bank. That circular has not been produced. In this regard there are two documents Ex. W-7 and W-8 filed by the Union. Ex. W-7 dated 4-9-1972 is a departmental circular to the following effect. "It has been decied that the members of the staff participating in the Onam feast arranged by the Reserve Bank Workers' Co-operative canteen on 5-9-1972 may only use the main hall for the purpose while the other members of the staff may take meals in the adjoining room on that date." The Secretary of the Union by Ex.W-8 dated 12-9-1972 called the circular as discriminatory and wanted to have the views of the Bank at an early date. But there is clear evidence of Shri Pillai (WW-1) that there was a circular prohibiting taking of non-vegetarian food in the main hall. His further evidence is that the Bank had asked him to furnish the names of the persons who had taken non-vegetarian food and he had furnished the list including his name also. The plea of call by the Union is not quite available to Shri Pillai. The Union had given an option to the employees to take food wherever they liked. Had Shri Pillai taken non-vegetarian food in the adjoining room, he would not have violated the call of the Union and would have also obeyed the Bank's circular. His action, I agree with the Bank, cannot be viewed as disciplined.

10. Following is the circumstance in which Shri Pillai insisted for an order in writing. He submitted a bill on 27-11-1972 claiming conveyance charge since the bicycle to carry the message was not in order. The office asked for the reason from Shri Pillai. The reply is Ex. E-9 dated 26-12-1972. He stated that the cycles were not in working condition. Since he felt that the work which he had to perform did not brook any delay he went by bus. He further stated that if the Bank feels that the expenditure of 80 p. on bank's account was unnecessary the Bank need not reimburse him. He ended by saying that in future he will be performing official duties, for which he should be given written instructions and in case if there is any delay he will not be responsible. For the Bank it was argued that the above depicts an attitude not expected of a Peon and the man with such a frame of mind should not be entrusted with the responsible duties of Caretaker. I agree that it betrayed an attitude not amenable to office discipline.

11. Ex. W-5 dated 11-6-1973 is an office memo, saying that on 31-1-1973 when a function had been arranged after office hours in honour of Shri P.J.J. Pinto. Shri Amarathanandan entered there and behaved in an unseemly manner. He was advised that it was not proper for him to have conducted himself in the aforesaid manner and that if in future he misbehaved in the office he will render himself liable for disciplinary action. Ex. W-6 is the reply of Shri Amarathanandan to the above. He denied having attended the function and having behaved in an unseemly manner.

12. The oral evidence in this regard of Shri Pillai is that prior to the commencement of the party there was exchange of loud voice amongst some of the members of the staff. Their names are S/Shri Amrathanandan, C. Anthony Thangappan, M. Krishnan Nair, and K .Velayudhan Nair. He did not know what was the shouting about and on the next day of the party he learnt the names of the persons who had exchanged loud words. From the evidence on record it is difficult for me to draw any adverse inference against Shri Pillai.

13. Shri K. V. Nair, the permanent Electrician cum Caretaker was on leave from 27-4-1973 to 10-5-1973. In his place both R. S. Pillai and Shri K. B. Nair officiated. Shri K. V. Nair joined on the 11th and he submitted a report Ex. E-11, on 14-5-1973 saying that some Brass bars fitted to the door were missing, some of the handles were broken and taken away. He was asked to furnish the detailed list of missing items and the names of Darwans in charge of Office premises during the relevant time. Joint inspection was made on 14th May, 1973 and the undernoted items were found stolen either partly or fully.

	Tower bolts	Door handles	
		Pair	Single
DBC&D (1st floor)	3	—	13
ACD (ground floor)	23	15	17

The explanations of the two officiating Caretakers are identical. Each has stated that the articles were not lost during the period he was on duty. In his evidence Shri Pillai has denied that the theft occurred during the period he officiated as a Caretaker. His further evidence is that the officiating Caretaker does not reside in the Bank's premises, and that to guard the premises there are five Darwans. It has been argued for the Union that on the evidence on record it cannot be said with any amount of certainty that it was because of the negligence of Shri Pillai that this theft took place. I find substance in the argument.

14. I have discussed above the four circumstances relied upon by the Bank which disentitled Shri Pillai from getting officiating chance since 1973. I have found that at least in two of them Bank's action cannot be called malicious or mala fide. If the Bank authorities thought that such an action on the part of the Caretaker was not in keeping with the kind of responsibility attached to the post, they cannot be charged for having acted in a malicious manner. There was an office order for all including the Caretaker not to take non-vegetarian food in the main hall Shri Pillai did not obey this office order and if in the circumstance the Bank authorities took the view that such an action on the part of the Caretaker was improper, it cannot be said that the Bank acted with any mala fide motive. It may be that it was with the best of intentions that Shri Pillai performed the Bank's duties when the cycle was out of order. But if the office made certain queries from him it was just in accordance with the norms of office and he should not have been so sensitive and should not have used the language he used.

15 .It is the Union's contention that it is a case of Union rivalry and the Officer-in-charge was supporting the rival union in which his own Subedar was the President. The formation of the rival Union was published in the journal dated 4th May, 1973 (Ex. W-16). The Officer-in-Charge (Deputy Chief Officer) could not be examined as he has retired from the Bank's service and his T.A. could not be paid by the Union. The Bank, however, did not want to examine him. Shri T. A. Mohamed, WW-3, is in charge of the administrative work since 1973. He has denied that the Bank discriminated members of the two Unions. It was vehemently argued for the Bank that since 1971 Shri Pillai was a member of the Executive Committee and since 1972 he was the Treasurer of the Union and had the Bank any malicious motive against him for being active member of the Union the Bank would not have given him the officiating chance prior to 1973. According to the Bank it was because of the reasons set out that the Bank did not feel satisfied with the conduct of Shri Pillai to give him another officiating chance subsequent to the date of the theft. I feel satisfied that there is no case of Union rivalry or unfair labour practice.

16. One more circumstance was pointed out on behalf of the Bank that even subsequent to the theft, conduct of Shri Pillai has not been satisfactory. In this connection my attention was invited to frequent leave Shri Pillai has been taking since 1973. Ex. E-5 is the leave record. Even in his cross-examination Shri Pillai admitted that on the previous day to his examination he was playing volley-ball in the Reserve Bank premises although he was on leave that day. Two days before he did not attend office as his wife was not well. His house is 4 k.m. away from the Bank and 4 to 5 of his colleagues reside within 1 k.m. from his house. But even then he sends his leave application through post. The Bank says that this results in the application reaching office late and dislocation of work. It has been argued for the Bank that frequent leave and leave on filmsy grounds results in the delay of work and such being the record the Bank does not feel satisfied that the work of Caretaker-cum-Electrician should be entrusted to such person. Looking to the entire evidence on record I feel satisfied with the action of the Bank. I therefore hold that the Reserve Bank of India was justified in denying officiating chance to Shri R. S. Pillay, to officiate as Electrician-cum-Caretaker with effect from the 14th May, 1973.

17. For the Bank it was made clear that in case the workman improvement his case will be considered at the next vacancy. I think this is a reasonable attitude. In the circumstance, at the moment no relief can be granted to Shri Pillai but his conduct may be watched and if there be nothing against him he should be considered when the next officiating vacancy occurs.

The reference is answered as above.

J. NARAIN, Presiding Officer

[No. L-12012/103/75-D. II(A)]

S. K. MUKERJEE, Under Secy.

New Delhi, the 14th December, 1978

S.O. 3756.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Burhar Sub-Area of Western Coalfields Limited and their workmen which was received by the Central Government on 12th December, 1978.

BEFORE SHRI S. N. JOHRI, B.Sc.,LL.M. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT JABALPUR (M.P.)

Case Ref. No. CGIT/LC/(R)(33)/1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Burhar Sub-Area of Western Coalfields Limited and their workmen represented through the Koyla Mazdoor Sabha (AITUC) P.O. Dhanpuri, Distt. Shahdol (M.P.)

APPEARANCES :

For Union... ... ... Shri Jagdish Singh..
For Management ... . Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines ... DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

Dated December 1, 1978

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide it's Order No. L-22012/78-D. IV(A) Dated 29th June, 1978, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Keeping in view the nature of duties performed by the following workmen of Burhar Sub-Area, Post Office, Amlai, District Shadol, whether the action of the management of Burhar Sub-Area of Western Coalfields Limited in not categorising these workmen as Helpers in Category II is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?

1. Shri Bashir Khan.
2. Shri Badal.
3. Shri Hareram.
4. Shri Hayat Khan.
5. Shri Ramdin.
6. Shri Chhottoo.
7. Shri Sek Mukhtayar.
8. Shri Ajma Ali.
9. Shri Abdul Sabir.
10. Shri Rajender Singh.
11. Shri Ramdulare.

2. It is not disputed that all these workmen have now been regularised as Category I Mazdoors. This was done after the matter was referred to Assistant Labour ommissioner by the Union.

3. The case of the Union is that are doing the work of Helper which is a Category II job entitling them to the basic wage of Rs. 10.40 P. per day. But they have been placed in Category I with a basic wage of Rs. 10/- per day. All these workmen have been working continuously since 1975. Prior to that they worked intermittently since 1973.

4. The management has challenged the validity of the reference on the ground that no industrial dispute was raised by the Union or these workmen directly with the management. As such no industrial dispute came into existence and the reference was bad on this account. Secondly the validity of the reference has been challenged on the ground that the demand made by the Union before the Assisstant Labour Commissioner(C) Shahdol was altogether different from the dispute which has been referred by the Central Government for adjudication. On merits, the management has to say that as soon as Category I posts fell vacant they were regularised as General Mazdoors in that category with effect from 1-11-1977. None of them is doing the job of Helper and no post in Category II has fallen vacant in which they could be promoted through D.P.C. As such the question of giving them category II wages does not arise.

5. So far as the maintainability of the reference is concerned it is now settled by the Supreme ourt that even when the dispute is raised directly with the Assistant Labour Commissioner and the management participates in that dispute denying the claim of the workmen, an industrial dispute comes into existence before the reference and as such the reference cannot be challenged on the ground of non-existence of any industrial dispute. The failure report given by the Assistant Labour Commissioner to the Central Government being an admitted document is perused by me and the case of the Union as stated in that report is precisely the same as has been referred to this Tribunal. The twin legal objections so raised by the management against the validity of the reference have thus no force.

6. However, on merits the Union has a difficult case. Shri Rajender Singh (W.W.1) and Shri Hare Ram (W.W. 2) did state that they were doing the winding job and moulder's job independently, but that is hardly to the point. Moulder's job falls in Cat. IV to Category VI. Should it mean that they would be given Category IV wages merely because they are, as alleged, doing the Moulder's job independently. Even the Union has not claimed such a jump. Shri Rajender Singh has admitted that in the winding section Shri K. P. Banerji is the Winder and Shri Sharma is a Helper. There is no allegation that there is any other post of helper or winder vacant in that section on which his claim could be considered. Naturally with each Winder there is a Category I Mazdoor attached for doing the raw sunday job. Shri Rajindra Singh is doing the same and if due to constant observation and casual dealing with the instrument he has picked up some preliminary mode of winding the drill stator, it only means that he is gaining an experience in technology so that whenever the occasion arises he can be considered for a higher category post. It is how the casual mazdoors come to learn and open a channel for their further promotion to higher categories but simply because they are in the learning process and in that learning process they have started to do some sundry jobs it does not mean that they have become fully qualified for the higher category post. So is the case with the other witness.

7. Employer has produced evidence to prove that for each category particular number of posts are sanctioned and there is a promotion channel from Category I to Categoey VI through D.P.C. Thus it is not that anybody can be fixed up in any Category at any time. The concerned workmen have to wait for an opportunity and till that they have to earnr sufficient experience in technology required for higher category jobs. It is true that Shri Bashir Khan out of these applicants has been picked up and promoted as Electrician Category IV in Amlai Collieries but that is because of his educational qualifications and other attainment and also because some such post fell vacant in which his claim could be considered.

8. I am sure, the management would sympathetically consider the case of those workmen who have acquired sufficient technology experienct and qualification and will give them suitable category as and when they are found fit and the vacancy occurs.

9. With these observations it is held that for the present these workmen have been properly categorised. Reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

1-12-1978.

No. L-22012(6)/78-D. IV(A)
NAND LAL, Desk Officer

New Delhi the 15th December, 1978

S.O. 3757.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following Award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Kiriburu Iron Ore Project of Messrs National Mineral Development Corporation Limited, Kiriburu and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th December, 1978.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under Sec. 10 (1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 40 of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kiriburu Iron Ore Project of Messrs National Mineral Development Corporation Limited, Kiriburu.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. N. Johri, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri U.K. Prasad, Dy. Controller of Accounts.

For the Workmen—None.

State : Bihar Industry : Iron Ore

Dated, the 30th November, 1978.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide it's Order No. L-26011/4/75-D-IV-(B) dated 14-7-1975, for the adjudication of the following industrial dispute.

"Whether the demand of the workmen employed in Kiriburu Iron Ore Project of Messrs National Mineral Development Corporation Limited, Kiriburu, for the payment of bonus @ 20 per cent of

wages for the accounting year 1973-74 is justified ? If so, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

2. It is not disputed that the management paid the minimum bonus at the rate of Rs 8.33 per cent to the workmen for the accounting year 1973-74. The case of the union is that the management was not justified in paying the bonus at the minimum prescribed rate because Kiriburu Iron Ore Project had made huge profits, which by accounting process were converted into a loss. As 20 per cent bonus was paid to the workers of the Iron Ore Mine owned by Mrs. Tata Iron & Steel Company, Noamundi, and Gua Iron Ore Mine of Indian Iron and Steel Company, though their profits were much less as compared to the Kiriburu Iron Ore Project, so the union has demanded that 20 per cent bonus should be paid to the workmen of this establishment. Their objection to the accounting process is confined to the following few items.

(i) In the closing stock figure the value of 90,00,000 tonnes of Iron Ore has been included nor profit and loss account has taken care of the income coming from that ore though the cost of production of those 90,00,000 tonnus of Iron Ore has been included in the profit and loss account.

(ii) The selling expenses include items which are not directly connected with the same.

(iii) The amount shown towards maintenance and repairs was erroneously charged to revenue when in fact they were the expenses of capital nature, and,

(iv) Exhorbitent amount was charged towards depreciation.

3. The management has denied all these allegations. It is alleged that the expenses towards repairs and maintenance were rightly charged to the revenue as per established practice of accountancy. The value of ore of 90,00,000 tonnus or of any ore whatsoever was not omitted from the profit and loss account. Selling expenses were directly related with the sale and the depreciation charge was neither exhorbitent nor unwarranted but was based on statutory provisions.

4. After the completion of the pleadings, the union almost lost interest in the case when the management filed all relevant documents in support of balance-sheets and profit and loss account. I have gone through the various items with the supporting schedules. The gross profit for the purpose of computing available surplus have been rightly calculated vide Ext. M-33. All the relevant documents have been proved by Sri U.K. Prasad, Dy. Controller of Accounts with the help of originals. According to profit and loss account Ext. M-2 there was net loss of Rs. 82,07,012. The total of the bonus paid to the employees and depreciation came down to Rs. 90,13,102. There were no further add backs during the year hence after substracting the net loss from aforesaid total add backs of bonus and depreciation the gross profit came to Rs. 8,06,090. The gross profit s calculated vide Ext. M-33 was brought forward as the gros profit for the calculation of available surplus in Ext. M-3. The total deductions on account of depreciation admissibl under Income Tax Act and return on Equity share capita came down to Rs. 3,00,18,661. The difference between th gross profit and this total was the available surplus showing the figure as (—) Rs. 2,92,12,571. As there was no available surplus so there could be no allocable surplus with th result that according to the provisions of payment of Bonus Act, the workmen could be entitled to only the minimum bonus at the rate of Rs. 8.33 per cent which had already been paid to them.

5. The details of depreciation charge for the year have been given in Ext. M-9. Sri Prasad has stated on oath that this calculation of depreciation has been done according to the principles of accountancy and the same has been approved by the Chartered Accountant, and is based on the guide lines issued by the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, Govt. of India.

6. The deductions towards depreciation admissible under Section 35(1) of Income Tax Act were shown in the Income Tax Return and were accepted by the Income Tax Officer as stated by Sri Prasad. The figure was submitted to the Head Office vide Ext. M-34 for being included in the Income Tax Return.

7. Ext. M-1 in the first column under the head 'Current Account with Head Office' indicated the allotment of equity share capital to this project by the Head Office. The amount so allotted is Rs. 21,92,18,352 and 8.5 per cent of the same comes to Rs. 1,86,33,560. This is the amount which has been charged towards the return of equity share capital as is permissible according to Second Schedule of Payment of Bonus Act as it stood before the amendment.

8. Shri Prasad has further stated that it is incorrect to say that value of 90,00,000 tonnes of iron ore or any ore whatsoever was omitted in the closing stock of iron ore or it remained unaccounted in the profit and loss account. There is no rebuttal to the evidence.

9. The details of the selling expenses have been givn in Ext. M-35. All the items have been examined by me. They do not fall off the mark and are directly co-related to the expenses on sales. In this way I am of the view that the objections raised by the union against accounting process have no legs to stand.

10. It follows from the above analysis that the workmen of Kiriburu Iron Ore Project are not entitled to any further amount of bonus for the accounting year 1973-74. The reference is answered accordingly.

Sd/-

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-26011/4/75-D. IV. B]

R. KUNJITHAPADAM, Dy. Secy.

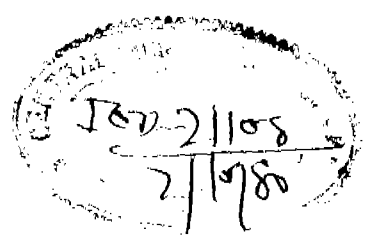

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1978